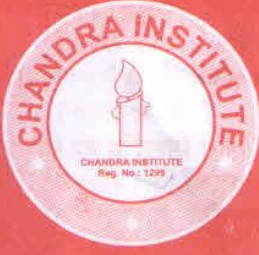


Estd. 2006



चन्द्रा इंस्टीट्यूट

(ISO 9001-2008 Certified Institute)

सरकारी नौकरी के लिए एक मात्र विश्वसनीय संस्थान

SSC

BANK

RRB

TET

प्राथमिक शिक्षक

UPP, SSC (GD)

संस्कृत

HO : रामबाग ब्रांच
M.: 8400333260

BO : अल्लापुर ब्रांच
M : 8400333264

BO : सिविल लाइन्स
M : 9936357073

Air Conditioner Classes

Tricky English Expert

वागेहा पाण्डेय सर एवं टीम के मार्गदर्शन में।

web : www.chandrainstitute.com | E-Mail : chandrainstituteit@rediffmail.com

सभी Subject व Exam से संबंधित PDF यहां से Download करें

- RRB 2019 PDF
- Nitin Gupta Notes PDF
- General Knowledge PDF
- Current Affairs PDF
- Child Development and Pedagogy PDF
- History PDF
- Geography PDF
- Polity PDF
- Economics PDF
- Computer PDF
- General Science PDF
- Environment PDF
- General Hindi PDF
- General English PDF
- Maths PDF
- Reasoning PDF
- Sanskrit PDF
- SSC PDF
- MPPSC PDF
- MP GK PDF
- UP GK PDF
- Bihar GK

किसी भी सहायता के लिये फेसबुक पर संपर्क करें – नितिन गुप्ता

संस्कृत

1. संस्कृत में कितने कारक हैं-

- (क) 6 (ख) 7
(ग) 8 (घ) 9

उत्तर- (क)

2. हिन्दी में कितने कारक होते हैं-

- (क) 7 (ख) 8
(ग) 9 (घ) 10

उत्तर- (ख)

3. वर्ण के भेद होते हैं-

- (क) 2 (ख) 3
(ग) 4 (घ) 6

उत्तर- (क)

4. स्वर को कहते हैं-

- (क) अच् (ख) हल्
(ग) यण (घ) इक

उत्तर- (क)

5. व्यंजन को कहते हैं-

- (क) अच् (ख) हल्
(ग) यण (घ) इक

उत्तर- (ख)

6. व्यंजन की संख्या होती है।

- (क) 33 (ख) 34
(ग) 35 (घ) 36

उत्तर- (क)

7. व्यंजन के भेद हैं-

- (क) स्पर्श (ख) अन्तः स्थ
(ग) उष्म (घ) सभी

उत्तर- (घ)

8. अन्तःस्थ व्यंजन हैं-

- (क) य, र, ल, व (ख) क वर्ग
(ग) ट वर्ग (घ) श, ष, स, ह

उत्तर- (क)

9. उष्म व्यंजन हैं-

- (क) श (ख) ष
(ग) स् ह (घ) सभी

उत्तर- (घ)

10. 'क' का सही रूप है-

- (क) क + अ (ख) क + अ
(ग) क + आ (घ) कोई नहीं

उत्तर- (क)

11. माहेश्वर सूत्र की संख्या है-

- (क) 14 (ख) 18
(ग) 20 (घ) 17

उत्तर- (क)

12. क + ष के मिलने से बनता है-

- (क) र (ख) ज
(ग) श (घ) क्ष

उत्तर- (घ)

13. श्री गणेशाय नमः में गणेशाय किस विभक्ति का है

- (क) तृतीया (ख) चतुर्थी
(ग) पंचमी (घ) षष्ठी

उत्तर- (ख)

14. शिष्यः गुरुणा सह गच्छति से गुरुणा किस विभक्ति का है-

- (क) तृतीया (ख) चतुर्थी
(ग) पंचमी (घ) षष्ठी

उत्तर- (क)

15. ग्रामम् अभितः वनम् अस्ति में ग्रामम् किस विभक्ति का है-

- (क) द्वितीया (ख) चतुर्थी
(ग) पंचमी (घ) षष्ठी

उत्तर- (क)

16. जीवेषु मानवाः श्रेष्ठाः वाक्य में जीवेषु कि विभक्ति का है-

- (क) सप्तमी (ख) तृतीया
(ग) पंचमी (घ) षष्ठी

उत्तर- (क)

17. "भगवती भारती भारते मातु सर्वथा" में अलंकार है-

- (क) अनुप्रास (ख) यमक
(ग) रूपक (घ) उत्प्रेक्षा

उत्तर- (क)

18. सः पादेन खंजः आस्ति वाक्य न पादेन किस विभक्ति का है-

- (क) तृतीया (ख) चतुर्थी
(ग) पंचमी (घ) सप्तमी

उत्तर- (क)

19. यथाशक्तिः में कौन-सा समास है-

- (क) अव्ययी भाव (ख) द्विगु
(ग) द्वन्द्व (घ) तत्पुरुष

उत्तर- (क)

20. कृष्ण सर्पः में कौन-सा समास है-

- (क) अव्ययी भाव (ख) कर्मधारय
(ग) द्विगु (घ) बहुव्रीहि

उत्तर- (ख)

21. पीताम्बरः में कौन-सा समास है-

- (क) अव्ययी भाव (ख) बहुव्रीहि
(ग) द्विगु (घ) द्वन्द्व

उत्तर- (ख)

22. पितरौ में कौन-सा समास है-

- (क) तत्पुरुष (ख) द्वन्द्व

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

- (ग) बहुव्रीहि (घ) सभी
उत्तर- (ख)
23. चतुर्मुखः में कौन-सा समास है-
(क) द्वन्द्व (ख) द्विगु ✓
(ग) तत्पुरुष (घ) बहुव्रीहि
उत्तर- (ख)
24. पंचवटी में कौन-सा समास है-
(क) द्विगु (ख) द्वन्द्व
(ग) कर्मधारय (घ) बहुव्रीहि
उत्तर- (क)
25. नायकः में कौन-सा सन्धि है-
(क) अयादि सन्धि (ख) गुण सन्धि
(ग) वृद्धि सन्धि (घ) यण सन्धि
उत्तर- (क)
26. पावकः में कौन-सा सन्धि है-
(क) गुण सन्धि (ख) वृद्धि सन्धि
(ग) यण सन्धि (घ) अयादि सन्धि ✓
उत्तर- (घ)
27. यद्यपि का सन्धि विच्छेद है-
(क) यदि + अपि (ख) यद + अपि
(ग) अदि + अपि (घ) कोई नहीं
उत्तर- (क)
28. तथैव में सन्धि है-
(क) वृद्धि सन्धि (ख) यण सन्धि
(ग) गुण सन्धि (घ) अयादि सन्धि
उत्तर- (क)
29. पवनः का सन्धिविच्छेद है-
(क) पो + अनः (ख) पौ + अनः
(ग) पा + अनः (घ) सभी
उत्तर- (क)
30. रवीन्द्र में सन्धि है-
(क) दीर्घस्वर सन्धि (ख) यण सन्धि
(ग) गुण सन्धि (घ) वृद्धि सन्धि
उत्तर- (क)
31. देवेन्द्र में सन्धि है-
(क) गुण सन्धि (ख) यण सन्धि
(ग) अयादि सन्धि (घ) वृद्धि सन्धि
उत्तर- (क)
32. इकोणयचि किस सन्धि का सूत्र है-
(क) गुण सन्धि (ख) यण सन्धि ✓
(ग) अयादि सन्धि (घ) कोई नहीं
उत्तर- (ख)
33. आदगुणः किस सन्धि का सूत्र है-
(क) गुण सन्धि (ख) यण सन्धि
(ग) अयादि सन्धि (घ) कोई नहीं
उत्तर- (क)
34. क वर्ग का उच्चारण स्थान है-
(क) कण्ठ (ख) तालु
(ग) दन्त (घ) ओष्ठ
उत्तर- (क)
35. द वर्ग का उच्चारण स्थान है-
(क) कण्ठ (ख) तालु
(ग) ओष्ठ (घ) दन्त ✓
उत्तर- (घ)
36. माहेश्वर सूत्र की संख्या है-
(क) पाँच (ख) बारह
(ग) आठ (घ) चौदह ✓
उत्तर- (घ)
37. वर्णों के समूह को कहते हैं-
(क) स्वर (ख) वर्णमाला ✓
(ग) ध्वनि (घ) गीत
उत्तर- (ख)
38. स्वर के कितने भेद हैं- (हल्, दीर्घ, प्लुत)
(क) तीन (ख) चार
(ग) छः (घ) सात
उत्तर- (क)
39. व्यंजन के कितने भेद हैं-
(क) एक (ख) दो
(ग) चार (घ) तीन ✓
उत्तर- (घ)
40. अन्तःस्थ व्यंजन हैं-
(क) य, र, ल, व (ख) क, ख, ग
(ग) श, ष, स, ह (घ) ण
उत्तर- (क)
41. उष्म व्यंजन हैं-
(क) य, र, ल, व, (ख) क्ष, त्र, ज्ञ
(ग) श, ष, स, ह (घ) कोई नहीं
उत्तर- (ग)
42. संयुक्त व्यंजन हैं-
(क) क्ष (ख) त्र
(ग) ज्ञ (घ) सभी ✓
उत्तर- (घ)
43. क् + ष के योग से बनता है-
(क) त्र (ख) ज्ञ
(ग) ण (घ) क्ष ✓
उत्तर- (घ)
44. ज् + ञ के योग से बनता है-
(क) ज्ञ (ख) त्र
(ग) क्ष + ह (घ) तीन
उत्तर- (क)

- उत्तर- (क)
45. वंश, हंस, अंग में जो बिन्दु लगा है उसे कहते हैं-
 (क) विसर्ग (ख) अनुस्वार ✓
 (ग) अनुनासिक (घ) हलन्त
 उत्तर- (ख)
46. इ, अ, ण, न्, म् को कौन-सा व्यंजन कहते हैं-
 ✓(क) अनुनासिक व्यंजन (ख) संयुक्त व्यंजन
 (ग) दोनों (घ) कोई नहीं
 उत्तर- (क)
47. त्, थ्, द्, ध्, न् का उच्चारण स्थान है-
 (क) ओष्ठ (ख) मूर्धा
 (ग) कण्ठ (घ) दन्त ✓
 उत्तर- (घ)
48. विसर्ग का उच्चारण स्थान बताइए-
 (क) तालु (ख) कण्ठ ✓
 (ग) दन्त (घ) ओष्ठ
 उत्तर- (ख)
49. सन्धि के कितने भेद हैं- (स्व, व्यंजन, विसर्ग)
 (क) एक (ख) दो
 ✓(ग) तीन (घ) चार
 उत्तर- (ग)
50. देवालयः में सन्धि है-
 ✓(क) दीर्घ सन्धि (ख) गुण सन्धि
 (ग) यण सन्धि (घ) अयादि सन्धि
 उत्तर- (क)
51. रवीन्द्रः का सही विच्छेद है-
 (क) रवी + इन्द्र (ख) रवि + इन्द्र ✓
 ✓(ग) रवि + ईन्द्र (घ) कोई नहीं
 उत्तर- (ख)
52. वधूत्सवः का सन्धि विच्छेद बताइए-
 (क) वधू + उत्सवः (ख) वन्धु + उत्सवः
 ✓(ग) वधू + उत्सवः (घ) कोई नहीं
 उत्तर- (ग)
53. पितृणाम् में सन्धि है-
 (क) अयादि सन्धि (ख) वृद्धि सन्धि
 ✓(ग) दीर्घ स्वर (घ) कोई नहीं
 उत्तर- (ग)
54. देवेन्द्रः का सन्धि विच्छेद कीजिए-
 ✓(क) देव + इन्द्रः (ख) देव + ईन्द्रः
 (ग) देव + इन्द्र (घ) कोई नहीं
 उत्तर- (क)
55. तबलकारः, रमेशः, महोत्सवः में सन्धि है-
 (क) अयादि सन्धि (ख) गुण सन्धि ✓
- (ग) यण सन्धि (घ) वृद्धि सन्धि
- उत्तर- (ख)
56. यद्यपि, इत्यादि, पित्राज्ञा, लाकर्षतेः, पित्राज्ञा में सन्धि बताइए-
 ✓(क) यण सन्धि (ख) गुण सन्धि
 (ख) अयादि सन्धि (घ) वृद्धि सन्धि
 उत्तर- (क)
57. नायकः का सन्धि विच्छेद बताइए-
 ✓(क) नै + अकः (ख) ना + अकः
 (ख) न + अकः (घ) नै + आक
 उत्तर- (क)
58. पंचवटी, त्रिलोकी, नवरात्रम्, चर्तुर्मुखः में समास हैं-
 (क) द्वन्द्व समास (ख) द्विगु समास ✓
 (ग) बहुव्रीहि समास (घ) कर्मधारय समास
 उत्तर- (ख)
59. पीताम्बरः, नीलकण्ठ, दशाननः, चन्द्रशेखर में समास हैं-
 ✓(क) बहुव्रीहि समास (ख) द्विगु समास
 (ग) द्वन्द्व समास (घ) कर्मधारय समास
 उत्तर- (क)
60. सः पादेन खंज आस्ति में "पादेन" पद में विभक्ति है-
 (क) द्वितीया (ख) प्रथमा
 ✓(ग) तृतीया (घ) सप्तमी
 उत्तर- (ग)
61. वृक्षात् पत्राणि पतन्ति में वृक्षात् पद में कारक है-
 ✓(क) अपादान (ख) सम्प्रदान
 (ग) कर्ता (घ) कर्म
 उत्तर- (क)
62. एकोनविंशति का अर्थ है-
 (क) बारह (ख) बीस
 (ग) चालीस (घ) उन्नीस ✓
 उत्तर- (घ)
63. संस्कृत में कारक हैं-
 (क) पाँच (ख) दो
 (ख) चार (घ) छः ✓
 उत्तर- (घ)
64. विप्राय गां ददाति में कारक हैं-
 (क) कर्ता (ख) करण
 ✓(ग) सम्प्रदान (घ) अपादान
 उत्तर- (ग)
65. समास का अर्थ है-
 (क) विस्तार (ख) व्याख्या
 (ग) योग (घ) संक्षेप ✓

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

- उत्तर- (घ)
66. पञ्चाशत् का अर्थ हैं-
 (क) पन्द्रह (ख) पच्चीस
 ✓(ग) पचास (घ) सौ
 उत्तर- (ग)
67. गत्वा पद का प्रकृति प्रत्यय हैं-
 ✓(क) गम् + क्त्वा (ख) गम् + तुमुन्
 (ख) गम् + शत् (घ) गम् + शानच्
 उत्तर- (क)
68. गमनम् में प्रयुक्त प्रकृति एवं प्रत्यय हैं।
 ✓(क) गम् + ल्युट् (ख) गम् + युच्
 (ख) गम् + अन् (घ) गम् + त्यज् + ल्यप्
 उत्तर- (क)
69. पठनीयम् पद में धातु एवं प्रत्यय हैं।
 ✓(क) पठ् + अनीयर (ख) पठ् + तुमुन्
 (ग) पठ् + शत् (घ) सभी
 उत्तर- (क)
70. कर्ता का प्रकृति प्रत्यय हैं।
 (क) कृ + क्त (ख) कृ + तुमुन्
 (ग) कृ + शत् (घ) कृ + तृच् ✓
 उत्तर- (घ)
71. पठ धातु में तुमुन् प्रत्यय लगाने पर रूप होगा-
 (क) पठीयतुम् (ख) पठित्वा
 ✓(ग) पठितुम् (घ) सभी
 उत्तर- (ग)
72. पठ धातु शत् प्रत्यय लगाने पर कौत्त-सा शब्द बनेगा-
 (क) पठित्वा (ख) पठन् ✓
 (ग) पठितुम् (घ) कोई नहीं
 उत्तर- (ख)
73. कर्मधारय समास, किस समास का ही एक भेद हैं?
 (क) अव्ययीभाव (ख) तत्पुरुष ✓
 (ग) बहुव्रीहि (घ) द्विगु
 उत्तर- (ख)
74. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक में विदूषक हैं?
 (क) वसन्तक (ख) मैत्रेय
 ✓(ग) माधव्य/माहव्य (घ) इनमें से कोई नहीं
 उत्तर- (ग)
75. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार कर्मयोगी को कर्म करना चाहिए?
 (क) कीर्ति के लिए (ख) लोकसंग्रह के लिए ✓
- (ग) सुख के लिए (घ) स्वर्ग के लिए ✓
 उत्तर- (ख)
76. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के किस अंक में विष्कम्भक समाप्त होता हैं?
 (क) प्रथम (ख) द्वितीय
 (ग) तृतीय (घ) चतुर्थ ✓
 उत्तर- (घ)
77. शृंगार रस का स्थायीभाव हैं?
 (क) शोक (ख) रति ✓
 (ख) हास (घ) उत्साह
 उत्तर- (ख)
78. जहाँ उपमेय में उपमान की सम्भावना होती हैं, वह अलंकार हैं
 (क) उपमा (ख) उत्प्रेक्षा ✓
 (ख) निदर्शना (घ) निदर्शना
 उत्तर- (ख)
79. 'शिशुपालवधम्' की कथावस्तु महाभारत के किस पर्व से उद्धृत हैं?
 ✓(क) सभापर्व (ख) वनपर्व
 (ग) आदिपर्व (घ) विराटपर्व
 उत्तर- (क)
80. शुद्ध वाक्य चुनिए-
 (क) श्यामा गीतं शृण्वती नृत्यति।
 (ख) श्यामा गीतं शृण्वन्ती नृत्यति। ✓
 (ग) श्यामा गीतं श्रुवन्ती नृत्यति।
 (घ) श्यामा गीतं श्रुवन्ती नर्तते।
 उत्तर- (ख)
81. कादम्बरी का प्रमुख नायक कौन हैं?
 (क) शूद्रक (ख) तारापीड
 ✓(ग) चन्द्रापीड (घ) वैशम्पायन
 उत्तर- (ग)
82. उत्तररामचरित में किस पात्र की भूमिका नगण्य हैं?
 (क) सूत्रधार (ख) नायक
 (ग) नायिका (घ) विदूषक ✓
 उत्तर- (घ)
83. 'शफर' से अभिप्राय हैं?
 (क) बादल (ख) विशाल नदी
 ✓(ग) जल में चमकने वाली एक छोटी मछली (घ) इनमें से कोई नहीं
 उत्तर- (ग)
84. 'षट्समतिः' का अर्थ हैं?

www.chandrainstitute.com, 8400333264, 8400333260

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

- ✓(क) 76 (ख) 67
(ग) 660 (घ) 607
उत्तर- (क)
85. 'उत्तररामचरितम्' नाटक में तमसा और मुरला हैं?
(क) वनदेवता
(ख) सीता की सखियाँ
✓(ग) नदी विसेषधिष्ठात्री देवियाँ
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ग)
86. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के अनुसार 'वेव्रवती' है?
(क) नदी (ख) उद्यानपालिका
✓(ग) प्रतिहारी (घ) अप्सरा
उत्तर- (ग)
87. सांख्य के अनुसार प्रमाण हैं-
(क) प्रत्यक्ष, अनुमान, अर्थापत्ति
(ख) प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान
✓(ग) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द
(घ) प्रत्यक्ष, उपमान, शब्द
उत्तर- (ग)
88. सांख्य के अनुसार पुरुषार्थ हैं?
(क) धर्म और काम (ख) भोग और अपवर्ग ✓
(ग) धर्म और मोक्ष (घ) अर्थ और मोक्ष
उत्तर- (ख)
89. वेदान्तसार के अनुसार उपासना का परम प्रयोजन है?
(क) चित्त की शुद्धि (ख) चित्त की एकाग्रता ✓
(ग) पाप का विनाश (घ) पितृलोक की प्राप्ति
उत्तर- (ख)
90. साहित्यदर्पण में कितने परिच्छेद हैं?
(क) आठ (ख) नौ
✓(ग) ग्यारह (घ) पाँच
उत्तर- (ग)
91. ध्वनिसिद्धान्त के प्रतिष्ठापक आचार्य हैं?
(क) विश्वनाथ (ख) भरतमुनि
✓(ग) आनन्दवर्धन (घ) कुन्तक
उत्तर- (ग)
92. का न जीर्णा, वयमेव तसा:-
(क) भोगा: (ख) तप:
✓(ग) तृष्णा: (घ) ते
उत्तर- (ग)
93. या बालं न पाठयति सा माता कीदृशी?
✓(क) शत्रु: (ख) वैरिणी
(ग) कालिनी (घ) यामिनी
उत्तर- (क)
94. 'युष्मद्' शब्दस्य षष्ठीविभक्तौ बहुवचने रूपम् भवति-
(क) युवयो: (ख) युष्माकम् ✓
(ग) युवाम् (घ) यूयम्
उत्तर- (ख)
95. 'अनुगच्छति' इत्यस्य अर्थ: भवति-
(क) अग्रतः गच्छति (ख) पृष्ठतः गच्छति ✓
(ग) दक्षिणभागे (घ) वामभागे
उत्तर- (ख)
96. 'वैनतेयः' शब्दे कः प्रत्ययः ?
(क) अण् (ख) ठक्
✓(ग) डक् (घ) तल्
उत्तर- (ग)
97. गान्धारी किसकी माँ हैं?
(क) धृतराष्ट्र की (ख) विदुर की
✓(ग) दुर्योधन की (घ) कर्ण की
उत्तर- (ग)
98. 'प्रतिज्ञायौगन्धरायण' किसकी रचना है?
(क) कालिदास (ख) भास ✓
(ग) भारवि (घ) भवभूति
उत्तर- (ख)
99. 'रामः रावणं बाणेन' हन्ति' में रेखाङ्कित अंश में विभक्ति हैं-
(क) द्वितीय (ख) तृतीया ✓
(ग) चतुर्थी (घ) पञ्चमी
उत्तर- (ख)
100. 'वृक्षात् पत्रं पतति' में रेखाङ्कित पद में कारक हैं-
(क) कर्मकारक (ख) करणकारक
(ग) सम्प्रदानकारक (घ) अपादानकारक ✓
उत्तर- (घ)
101. होलिका प्रह्लाद की रिश्ते में क्या थी?
✓(क) बुआ (ख) बहिन
(ग) चाची (घ) दादी
उत्तर- (क)
102. 'ममता' में प्रत्यय हैं- ~~क~~
(क) अण् (ख) डक्
✓(ग) तल् (घ) मतुप्
उत्तर- (ग)
103. जयद्रथ किसके हाथों मारा गया?
(क) कृष्ण (ख) बलराम
✓(ग) अर्जुन (घ) भीम
उत्तर- (ग)
104. 'इत्यादयः' में सन्धि हैं-
✓(क) यण् (ख) दीर्घ

www.chandrainstitute.com, 8400333264, 8400333260

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

- (ग) गुण (घ) वृद्धि
उत्तर- (क)
105. 'राजपुरुषः' में समास हैं-
✓(क) तत्पुरुष (ख) द्वन्द्व
(ग) कर्मधारय (घ) बहुव्रीहि
उत्तर- (क)
106. 'सीतारामौ' में समास हैं-
(क) तत्पुरुष (ख) द्वन्द्व ✓
(ग) अव्ययीभाव (घ)
उत्तर- (ख)
107. आयुषः कस्मिन् भागे विद्या अर्जिता भवति?
✓(क) प्रथमे (क) द्वितीये
(ग) तृतीये (घ) चतुर्थे
उत्तर- (क)
108. 'सन्ति' पदे धातुः अस्ति- (अस्ति, अस्तः, सन्ति)
(क) भू (ख) अस् ✓
(ग) जनि (घ) जागृ
उत्तर- (ख)
109. 'भवता' इति कस्याः विभक्तेः कस्य वचनस्य च रूपम् अस्ति-
✓(क) तृतीया एकवचनम् (ख) षष्ठी एकवचनम्
(ग) द्वितीय बहुवचनम् (घ) सप्तमी एकवचनम्
उत्तर- (क)
110. 'राजन्' - शब्दस्य तृतीयायाः एकवचने किं रूपं भवति?
(क) राजेन (क) राजः
(ग) राज्ञे (घ) राज्ञा ✓
उत्तर- (घ)
111. अधोलिखितेषु 'इन्द्रस्य' पर्यायवाची कः नास्ति?
(क) पुरन्दरः (ख) वीरभद्रः ✓
(ग) शचीपतिः (घ) सुरेशः
उत्तर- (ख)
112. 'आशु' इत्यस्य पर्यायवाची किम् अस्ति?
(क) सुलभः (ख) त्वरितम् ✓
(ग) ध्रुवम् (घ) नूनम्
उत्तर- (ख)
113. कः शब्द अव्ययीभाव-समासस्य उदाहरण अस्ति?
(क) सुखार्थम् (ख) युधिष्ठिरः
(ग) पाणिपादम् (घ) आसमुद्रम् ✓
उत्तर- (घ)
114. 'अलङ्करोति' इत्यस्य सन्धिविच्छेदः किं भवति?
(क) अलङ् + करोति
(ख) अलम् + करोति ✓

- (ग) अलं + करोति
(घ) अलङ्क + रोति
उत्तर- (ख)
115. भाषायाः शिक्षणेः यः केन्द्रं भवति-
(क) पुस्तकम् (ख) बालकः ✓
(ग) श्यामपट्टः (घ) अध्यापकः
उत्तर- (ख)
116. शिक्षायाः कृते समाज औपचारिकं साधनं यत् वर्तते-
(क) समाचारपत्रम् (ख) गृहम्
(ग) चलचित्रम् (घ) विद्यालयः ✓
उत्तर- (घ)
117. अकार के कितने भेद हैं?
(क) बारह (ख) अठारह ✓
(ग) दश (घ) दो
उत्तर- (ख)
118. 'भागों वाले तालु आदि स्थानों में जो अच् ऊपरी भाग में बोला जाये,' उसकी संज्ञा है-
✓(क) उदात्त (ख) अनुदात्त
(ग) स्वरित (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (क)
119. 'तत्पुरुषः' पद में कौन-सा समास है?
(क) कर्मधारय (ख) षष्ठी तत्पुरुष ✓
(ग) बहुव्रीहि (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ख)
120. 'ऋ' वर्ण का उच्चारण स्थान है-
(क) दन्त (ख) कण्ठ
(ग) ओष्ठ (घ) मूर्धा ✓
उत्तर- (घ)
121. 'सर्वस्मिन्नात्माऽस्ति' इस उदाहरण में कौन-सा आधार है-
(क) आधारोधारः (ख) अभिव्यापकः ✓
(ग) वैषयिकः (घ) औपक्षेपिकः
उत्तर- (ख)
122. 'आरुरुक्षुः' पद में 'उ' प्रत्यय का विधान करने वाला सूत्र है-
(क) उदितो वा (क) ण्वुलतृचौ
(ग) कुगतिप्रादयः (ग) सनाशंसभिक्ष उः ✓
उत्तर- (घ)
123. 'अनर्घराघव' इस ग्रन्थ के रचयिता हैं?
(क) राजशेखर (ख) जयदेव
✓(ग) मुरारि (घ) सोमदेव
उत्तर- (ग)

www.chandrainstitute.com, 8400333264, 8400333260

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

124. 'पथिन्' शब्द का प्रथमा विभक्ति बहुवचन रूप है?

- (क) पथाः (ख) पन्थाः
(ग) पन्थानाः (घ) पन्थानः ✓
उत्तर- (घ)

125. इण् (जाना) धातु से तव्यत् प्रत्यय करने पर रूप बनेगा-

- (क) ऐतव्यः (ख) एतव्यः ✓
(ग) एषितव्यः (घ) इतव्यः
उत्तर- (ख)

126. 'कर्मकारक' विधायक सूत्र है?

- (क) स्पृहेरीप्सितः (ख) कर्तरि प्रथमा
(ग) कर्मणि द्वितीया (घ) उपान्वध्याङ्वसः ✓
उत्तर- (घ)

127. वेदों के "बिभाजककर्ता" कौन हैं?

- (क) शंकराचार्य (ख) वाल्मीकि
(ग) वैशम्पायन (घ) जनमेजय ✓
उत्तर- (घ)

128. 'अन्तादिवच्च' सूत्र का उदाहरण है-

- (क) शिवायोन्नमः (ख) पतञ्जलिः
✓ (ग) शिवेहि (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ग)

129. 'ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति' में रेखाङ्कित पद की कर्म संज्ञा करने वाला सूत्र है?

- (क) तथायुक्तं चाऽनीप्सितम् ✓
(ख) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(ग) कर्मणि द्वितीया
(घ) अकथितञ्च
उत्तर- (क)

130. 'टवर्ग' का उच्चारणस्थान है-

- (क) कण्ठ (ख) तालु
✓ (ग) मूर्धा (घ) ओष्ठ
उत्तर- (ग)

131. 'प्रक्षालनम्' पद में प्रत्यय है-

- ✓ (क) ल्युट् (ख) ल्यु
(ख) अन्तम् (घ) कोई नहीं
उत्तर- (क)

132. 'अरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा' सूत्र का उदाहरण है-

- (क) महौल्लाभ (ख) विद्वौल्लिखति
✓ (ग) एतन्मुरारि (घ) उल्लास
उत्तर- (ग)

133. कौन-सा पद 'दीर्घ' सन्धि का उदाहरण नहीं है?

- (क) साधूक्तम् (ख) सत्यार्थ
(ग) होतृकार (घ) पित्रादेश ✓
उत्तर- (घ)

134. 'निष्ठासंज्ञक' प्रत्यय कौन-से हैं?

- (क) शतृ-शानच् (ख) क्त्वा-ल्यप्
✓ (ग) क्त-क्तवतु (घ) तव्यत्-तव्य
उत्तर- (ग)

135. पञ्चतन्त्र के लेखक कौन हैं?

- ✓ (क) विष्णुशर्मा (ख) नारायणपण्डित
(ग) कल्हण (घ) राजशेखर
उत्तर- (क)

136. 'जनार्दनः' शब्द की उचित व्युत्पत्ति है-

- ✓ (क) जन + अर्द + णिच् + ल्यु
(ख) जन + अर्द + णिच् + ल्युट्
(ग) जनु + अर्द + ल्यु + अ
(घ) जन + अर्द + ल्यु + णिच्
उत्तर- (क)

137. 'अ' किस प्रकार का स्वर है?

- (क) पञ्च स्वर (ख) अर्धविवृत स्वर
✓ (ग) केन्द्रीय स्वर (घ) अनुनासिक स्वर
उत्तर- (ग)

138. "तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः" मन्त्र वाला उपनिषद् कौन-सा है?

- ✓ (क) ईशावास्योपनिषद् (ख) कठोपनिषद्
(ग) मुण्डकोपनिषद् (घ) तैत्तिरीयोपनिषद्
उत्तर- (क)

139. नाटकों में 'भरतवाक्य' का प्रयोग कब किया जाता है?

- (क) नाटक के आरम्भ में
✓ (ख) नाटक के अन्त में
(ग) नाटक के मध्य में
(घ) उपर्युक्त तीनों स्थलों में
उत्तर- (ख) → पूरा वाक्य अन्त में

140. 'पुरुषर्षभः' पद में समास का सही विकल्प छाँटिए-

- ✓ (क) उपमानोत्तरपद कर्मधारयसमास
(ख) अवधारणापूर्वपद कर्मधारयसमास
(ग) उपमानोपमेय कर्मधारयसमास
(घ) विशेषण-विशेष्य कर्मधारयसमास
उत्तर- (क)

141. 'अलंकारसम्प्रदाय' के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं?

- (क) जगन्नाथ (ख) विश्वनाथ
(ग) क्षेमेन्द्र (घ) भामह ✓

www.chandrainstitute.com, 8400333264, 8400333260

उत्तर- (घ)

142. 'गच्छति' पद हैं-

- (क) गम् + लट् + प्रथमपुरुष एकवचन
(ख) गम् + शतृ + सप्तमी एकवचन + पुल्लिङ्ग
(ग) गम् + शतृ + सप्तमी एकवचन + नपुंसक
✓ (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (घ)

143. 'प्रियदर्शिका' व 'रत्नावली' के रचनाकार कौन हैं?

- (क) विशाखदत्त (ख) मुरारि
✓ (ग) हर्षवर्द्धन (घ) हेमचन्द्र

उत्तर- (ग)

144. 'न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते' यह वचन किस कवि के हैं?

- (क) भास (ख) व्यास
✓ (ग) कालिदास (घ) भवभूति

उत्तर- (ग)

145. 'चक्रिण्ढौकसे' किस सूत्र का उदाहरण हैं?

- (क) स्तो श्रुना श्रुः (ख) घुना घुः ✓
(ग) न पदान्ताट्टोरनाम् (घ) तोः पि
उत्तर- (ख)

146. आरात्, ऋते व पूर्व शब्दों के योग में कौन-सी विभक्ति होगी?

- (क) तृतीया (ख) चतुर्थी
✓ (ग) पञ्चमी (घ) सप्तमी

उत्तर- (ग)

147. "क्षणे क्षणे यच्चवतामुपैति, तदेव रूपं रमणीयतायाः" किसने प्रतिपादित किया?

- ✓ (क) माघ ने (ख) भारवि ने
(ग) कालिदास ने (घ) श्रीहर्ष ने

उत्तर- (क)

151. 'तन्वी श्यामा शिखरिदशना पक्वबिम्बाधरोष्ठी' पंक्ति का सम्बन्ध किस काव्य से हैं?

- (क) ऋतुसंहारम्
(ख) स्वप्नवासवदत्तम्
(ग) रघुवंशम्
(घ) मेघदूतम् ✓

उत्तर- (घ)

152. महाकाव्यों की बृहत्त्रयी में कौन सम्मिलित नहीं हैं?

- (क) शिशुपालवधम्
(ख) किरातार्जुनीयम्
(ग) नैषधीयचरितम्

✓ (घ) मेघदूतम्

उत्तर- (घ)

148. 'भूतपूर्वः' पद में समास हैं-

- (क) अव्ययीभाव (ख) बहुव्रीहि
✓ (ग) केवल (घ) द्वन्द्व

उत्तर- (ग)

149. 'सरस्वतीकण्ठाभरणम्' के रचयिता हैं-

- ✓ (क) भोजराज (ख) अभिनवगुप्त
(ग) महिमभट्ट (घ) रुय्यक

उत्तर- (क)

150. ए और ऐ का उच्चारणस्थान हैं-

- (क) कण्ठोष्ठ (ख) कण्ठतालु ✓
(ग) दन्तोष्ठ (घ) मूर्धा

उत्तर- (ख)

समास

1. 'भूतपर्वः' में कौन समास है-
(अ) तत्पुरुष (इ) कर्मकारक
(उ) अव्ययीभाव (ण) सुप्सुपा ✓
2. 'उपकृष्णम्' में 'उप' का अर्थ है-
(अ) विभक्ति (इ) समीप ✓
(उ) समृद्धि (ण) अव्यय
3. 'दुर्यवनम्' में कौन समास है-
(अ) कर्मधारय (इ) बहुव्रीहि
(उ) अनुक् (ण) अव्ययीभाव ✓
4. "विष्णोः पश्चात्" = क्या होगा-
(अ) पश्चविष्णुः (इ) अनुविष्णु ✓
(उ) अन्तविष्णु (ण) अनुविष्णोः
5. 'प्रत्यर्थम्' में समास है-
(अ) केवल समास (इ) अव्ययीभाव ✓
(उ) द्विगुसमास (ण) तत्पुरुषसमास
6. 'शक्तिम् अनतिक्रम्य'—इसका सामासिक पद होगा-
(अ) यथाशक्तिः (इ) यथाशक्तिम्
✓ (उ) यथाशक्ति (ण) अनतिक्रान्तशक्तिः
7. 'पञ्चगङ्गम्' में कौन समास है-
(अ) द्विगु (इ) अव्ययीभाव ✓
(उ) तत्पुरुष (ण) द्वन्द्व
8. "कृष्णश्रितः" में कौन सा समास है-
✓ (अ) द्वितीया तत्पुरुष (इ) तृतीया तत्पुरुष
(उ) चतुर्थीतत्पुरुष (ण) षष्ठीतत्पुरुष
9. 'नखभिन्नः' में कौन समास है-
(अ) पञ्चमी तत्पुरुष (इ) बहुव्रीहि
(उ) सप्तमी तत्पुरुष (ण) तृतीया तत्पुरुष ✓
10. 'यूपदारु' पद का किसके साथ समास नहीं होता है-
✓ (अ) चतुर्थी तत्पुरुष (इ) षष्ठी तत्पुरुष
(उ) पञ्चमी तत्पुरुष (ण) कर्मधारय
11. इनमें 'चतुर्थी तत्पुरुष' समास किसमें नहीं है-
✓ (अ) चोरभयम् (इ) भूतबलिः
(उ) गोहितम् (ण) द्विजार्थः
12. 'अक्षशौण्डः' में कौन समास है-
(अ) षष्ठी तत्पुरुष (इ) सप्तमी तत्पुरुष ✓
(उ) तृतीया तत्पुरुष (ण) कर्मधारय
13. 'सप्तर्षयः' में कौन समास है-
✓ (अ) तत्पुरुष (इ) अव्ययीभाव
(उ) बहुव्रीहि (ण) द्वन्द्व
14. 'पौर्वशालः' पद का विग्रह क्या होगा-
(अ) पौर्व एव शालः (इ) पूर्वशाला यस्य सः
(उ) शालायाः पूर्वम् ✓ (ण) पूर्वस्यां शालायां भवः
15. 'नीलोत्पलम्' कौन समास है-
(अ) द्विगु (इ) द्वन्द्व
✓ (उ) कर्मधारय (ण) बहुव्रीहि
16. 'घनश्यामः' में कौन समास है-
(अ) बहुव्रीहि (इ) कर्मधारय ✓
(उ) द्वन्द्व (ण) द्विगु
17. 'द्वादश' में कौन समास है-
(अ) बहुव्रीहि (इ) तत्पुरुष
✓ (उ) द्वन्द्व (ण) अव्ययीभाव
18. बहुव्रीहि समास में किस पदार्थ की प्रधानता रहती है-
(अ) पूर्वपदार्थ (इ) उभयपदार्थ
(उ) परपदार्थ (ण) अन्यपदार्थ ✓
19. 'अर्थधर्मौ' में कौन समास है-
(अ) बहुव्रीहि (इ) द्वन्द्व ✓
(उ) द्विगु (ण) कर्मधारय
20. 'समास' पद में प्रकृति प्रत्यय है-
✓ (अ) सम् + अस् + घञ् (इ) सम् + आस् + अप्
(उ) समा + आसु + सु (ण) सम् + आसु + धस्
21. 'समास विग्रह' कितने प्रकार का होता है-
(अ) 5 (इ) 2 ✓
(उ) 3 (ण) 4
22. समास कितने प्रकार का होता है-
(अ) 4 (इ) 5 ✓
(उ) 6 (ण) 7
23. 'अन्यपदार्थप्रधानः' समास होगा-
(अ) द्वन्द्व (इ) अव्ययीभाव
✓ (उ) बहुव्रीहि (ण) द्विगु

24. 'उत्तरपदार्थप्रधानः' समास हैं-

- ✓(अ) तत्पुरुषः (इ) बहुव्रीहिः
(उ) द्वन्द्वः (ण) अव्ययीभावः

25. 'पूर्वपदार्थप्रधानः' कौन-सा समास होगा-

- (अ) द्वन्द्वः (इ) तत्पुरुषः
✓(उ) अव्ययीभावः (ण) कर्मधारयः

26. 'उभयपदार्थप्रधानः' कौन-सा समास होगा-

- (अ) अव्ययीभावः (इ) केवल मासः
(उ) कर्मधारयः (ण) द्वन्द्वः ✓

27. व्यधिकरण तत्पुरुष समास के कितने भेद हैं?

- (अ) चार (इ) पाँच
✓(उ) छः (ऋ) सात

28. 'चन्द्रशेखरः' में कौन सा समास हैं?

- (अ) तत्पुरुष (इ) बहुव्रीहि ✓
(उ) द्विगु (ऋ) कर्मधारय

29. जिस समास में प्रथमपद प्रधान रहता है उसे कहते हैं-

- (अ) तत्पुरुष समास (इ) बहुव्रीहि
✓(उ) अव्ययीभाव समास (ऋ) द्वन्द्व

30. 'पाणिपादम्' में समास हैं?

- (अ) इतरेतरद्वन्द्व (इ) समाहारद्वन्द्व ✓
(उ) एकशेषद्वन्द्व (ऋ) अलुक्ततत्पुरुष

31. 'हरिहरौ' में कौन सा समास है?

- (अ) तत्पुरुष (इ) बहुव्रीहि
✓(उ) द्वन्द्व (ऋ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

32. 'नखभिन्नः' का लौकिकविग्रह हैं?

- (अ) नखः भिन्नः (इ) नखैः भिन्नः ✓
(उ) नखे भिन्नः (ऋ) नखात् भिन्नः

33. 'अहिनकुलम्' में समास हैं?

- (अ) इतरेतरद्वन्द्व (इ) समाहारद्वन्द्व ✓
(उ) एकशेषद्वन्द्व (ऋ) अलुक्ततत्पुरुष

34. 'निर्मक्षिकम्' में समास हैं?

- (अ) तत्पुरुष (इ) अव्ययीभाव ✓
(उ) द्वन्द्व (ऋ) बहुव्रीहि

35. 'चक्रपाणिः' में समास हैं?

- (अ) तत्पुरुष (इ) बहुव्रीहि ✓

(उ) द्विगु

(ऋ) द्वन्द्व

36. 'हरिहरौ' शब्द का विग्रह होगा?

- (अ) हरि च हरौ च (इ) हरिश्च हरश्च ✓
(उ) हरि च हरौ (ऋ) हरि हरौ च

37. 'कुपुरुष' में कौन सा समास हैं?

- (अ) नञ् तत्पुरुष (इ) प्रादि तत्पुरुष ✓
(उ) गति तत्पुरुष (ऋ) उपपद तत्पुरुष

38. 'पितरौ' शब्द का विग्रह हैं?

- (अ) मातृ पिता च (इ) पितरौ मातरौ च
✓(उ) माता च पिता च (ऋ) माता पिताश्च

39. 'हरित्रातः' में कौन सा समास हैं?

- (अ) द्वितीयातत्पुरुष (इ) तृतीयातत्पुरुष ✓
(उ) चतुर्थीतत्पुरुष (ऋ) षष्ठीतत्पुरुष

40. 'पीताम्बरः' में समास हैं?

- (अ) द्विगु (इ) बहुव्रीहि ✓
(उ) अव्ययीभाव (ऋ) द्वन्द्व

41. 'गोहितम्' में कौन समास हैं?

- (अ) द्वितीया तत्पुरुष (इ) अव्ययीभाव
(उ) तृतीया तत्पुरुष (ऋ) चतुर्थी तत्पुरुष ✓

42. 'अक्षशौण्डः' का लौकिक विग्रह हैं-

- (अ) अक्षाणां शौण्डः (इ) अक्षात् शौण्डः
✓(उ) अक्षेभु शौण्डः (ऋ) अक्षस्य शौण्डः

43. 'शाकपार्थिवः' का लौकिक विग्रह हैं-

- (अ) शाकस्य पार्थिवः (इ) शाकात् पार्थिवः
✓(उ) शाकप्रियः पार्थिवः (ऋ) पार्थिवप्रियः शाकः

44. समानाधिकरण बहुव्रीहि कितने प्रकार का होता हैं-

- (अ) 5 (इ) 7
✓(उ) 6 (ऋ) 8

45. 'वागर्थ्याविव' का लौकिक विग्रह हैं-

- (अ) वागर्थ्याविव (इ) वागर्थ्या इव ✓
(उ) वाक् अर्थ्याविव (ऋ) वागर्थ्या इव

46. 'वागर्थ्याविव' में कौन सा समास हैं-

- (अ) द्वन्द्व (इ) द्विगु
✓(उ) केवलमास (ऋ) तत्पुरुष

47. 'चोरभयम्' का लौकिक विग्रह होगा-

- (अ) चोरस्य भयम् (इ) चोरेण भयम्
☒ (उ) चोरात् भयम् (ऋ) चोराय भयम्

कारक-

1. 'प्रातिपदिकार्थमात्र' में विभक्ति होती है?
☒ (अ) प्रथमा (इ) तृतीया
 (उ) चतुर्थी (ण) षष्ठी
2. 'सम्बोधने च' सूत्र से विभक्ति होती है-
 (अ) सप्तमी (इ) प्रथमा ☒
 (उ) चतुर्थी (ण) षष्ठी
3. कर्ता का इष्टतम कारक कौन सा है-
☒ (अ) कर्म (इ) करण
 (उ) सम्प्रदान (ण) अपादान
4. 'हरिं भजति' में 'हरि' क्या है?
 (अ) कर्ता (इ) करण
☒ (उ) कर्म (ण) अधिकरण
5. 'अनुक्त कर्म' में विभक्ति होती है-
 (अ) प्रथमा (इ) द्वितीया ☒
 (उ) षष्ठी (ण) तृतीया
6. 'अभिहित कर्म' में विभक्ति होती है?
 (अ) तृतीया (इ) द्वितीया
 (उ) षष्ठी (ण) प्रथमा ☒
7. कारक कितने होते हैं-
 (अ) 4 (इ) 6 ☒
 (उ) 5 (ण) 8
8. 'ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति' में 'तृण' की किस सूत्र से कर्मसंज्ञा हुई है-
 (अ) कर्तुरीप्सिततमं कर्म तथायुक्तं चानीप्सितम् ☒
 (उ) अकथितं च (ण) कर्मप्रवचनीयाः
9. 'तथायुक्तं चानीप्सितम्' सूत्र से कौन सी संज्ञा होती है-
 (अ) करण (इ) सम्प्रदान
 (उ) कर्ता (ण) कर्म ☒
10. 'गां दोग्धि पयः' में 'गो' की कर्मसंज्ञा किस सूत्र से हुई है-
☒ (अ) अकथितं च (इ) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
 (उ) तथायुक्तं चानीप्सितम् (ण) कर्मणी द्वितीया

11. "अधितिष्ठति वैकुण्ठं हरिः" में 'वैकुण्ठ' की कर्मसंज्ञा किस सूत्र से हुई है-
 (अ) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
 (इ) तथायुक्तं चानीप्सितम्
 (उ) अकथितं च
☒ (ण) अधिशीङ्स्थासां कर्म
12. 'आवसति वैकुण्ठं हरिः' में 'वैकुण्ठ' की कर्मसंज्ञा किस सूत्र से हुई है-
 (अ) अकथितं च (इ) अधिशीङ्स्थासां कर्म
 (उ) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ण) उपान्वध्याङ्वासः ☒
13. 'सर्वतः' के योग में कौन सी विभक्ति आती है-
☒ (अ) द्वितीया (इ) तृतीया
 (उ) चतुर्थी (ण) पञ्चमी
14. "अभितः" के योग में कौन-सी विभक्ति आती है-
 (अ) तृतीया (इ) प्रथमा
☒ (उ) द्वितीया (ण) चतुर्थी
15. 'रामेण बाणेन हतो बाली' में करण क्या है-
☒ (अ) बाण (इ) राम
 (उ) बाली (ण) हनन
16. 'सह' अर्थ वाले शब्दों के योग में अप्रधान में कौन-सी विभक्ति लगेगी-
 (अ) द्वितीया (इ) तृतीया ☒
 (उ) प्रथमा (ण) पञ्चमी
17. "अक्षणा काणः" यहाँ 'अक्षि' पद में किस सूत्र से तृतीया विभक्ति आयी-
 (अ) प्रकृत्यादिभ्य उपसंख्यानम् (इ) हेतौ
 (उ) अपवर्गे तृतीया (ण) येनाङ्गविकारः ☒
18. "इत्थंभूतलक्षणे" इससे कौन-सी विभक्ति आती है-
☒ (अ) तृतीया (इ) द्वितीया
 (उ) पञ्चमी (ण) प्रथमा
19. "जटाभिः तापसः" यहाँ 'जटा' में किस सूत्र से तृतीया विभक्ति आयी-
 (अ) येनाङ्गविकारः (इ) अपवर्गे तृतीया
☒ (उ) इत्थंभूतलक्षणे (ण) हेतौ
20. "कर्मणा यमभिप्रैति सः" क्या है?
 (अ) कर्ता (इ) सम्प्रदानम् ☒
 (उ) अधिकरणम् (ण) करणम्

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

21. "विप्राय गां ददाति" का उदाहरण हैं-
 (अ) कर्ता (इ) कर्म
 ✓(उ) सम्प्रदान (ण) करण
22. "रुच्यर्थे" धातु के योग में 'प्रीयमाण' की क्या संज्ञा होती है-
 (अ) करण (इ) कर्ता
 (उ) कर्म (ण) सम्प्रदान ✓
23. "धारेरुत्तमर्णः" सूत्र से कौन-सी संज्ञा होती है-
 (अ) अपादान (इ) करण
 ✓(उ) सम्प्रदान (ण) कर्म
24. "स्पृहेरीप्सितः" सूत्र से कौन-सी संज्ञा होगी-
 (अ) अपादान (इ) करण
 ✓(उ) सम्प्रदान (ण) कर्म
25. "कुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः" इस सूत्र से किस संज्ञा का विधान होगा-
 ✓(अ) सम्प्रदान (इ) कर्म
 (उ) करण (ण) कर्ता
26. 'हरये कुध्यति' में 'हरि' क्या है-
 (अ) कर्ता (इ) सम्प्रदान ✓
 (उ) करण (ण) इनमें से कोई नहीं
27. "मुक्तये हरिं भजति"- 'मुक्ति' में चतुर्थी किस सूत्र से आयी-
 (अ) चतुर्थी सम्प्रदाने
 (इ) तुमर्थीच्च भाववचनात्
 ✓(उ) तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या
 (ण) नमः- स्वस्ति-स्वाहा-स्वधा-अलं-वषट्-योगाच्च
28. 'स्वाहा' के योग में कौन सी विभक्ति होती है-
 ✓(अ) चतुर्थी (इ) द्वितीया
 (उ) पञ्चमी (ण) तृतीया
29. "अध्ययनात् पराजयते" यहाँ 'अध्ययन' की अपादान संज्ञा किस सूत्र से हुई है-
 ✓(अ) पराजेरसोढः (इ) आख्यातोपयोगे
 (उ) ध्रुवमपायेऽपादानम् (ण) भुवः प्रभवः
30. "पृथक्, विना, नाना"- इन पदों के योग में कौन-सी विभक्ति नहीं आती-
 (अ) पञ्चमी (इ) चतुर्थी ✓
 (उ) द्वितीया (ण) तृतीया
31. 'कृत्' के योग में कर्त्ता में कौन-सी विभक्ति आती है-
 (अ) द्वितीया (इ) षष्ठी ✓
 (उ) चतुर्थी (ण) सप्तमी
32. 'आधार' की क्या संज्ञा होती है-
 (अ) कर्म (इ) करण
 (उ) सम्प्रदान (ण) अधिकरण ✓
33. अधिकरण (आधार) कितने प्रकार का होता है-
 (अ) 4 (इ) 3 ✓
 (उ) 5 (ण) 7
34. 'चर्मणि दीपिन् हन्ति'- यहाँ 'सप्तमी' का विधान करने वाला सूत्र कौन है-
 (अ) सप्तम्यधिकरणे च (इ) निमितात् कर्मयोगे ✓
 (उ) यस्य च भावेन भावलक्षणम्
 (ण) साध्वसाधुप्रयोगे
35. "गोषु दुहामानासु गतः"- यहाँ सप्तमी का विधान करने वाला सूत्र कौन है-
 (अ) निमितात् कर्मयोगे (इ) सप्तम्यधिकरणे च
 ✓(उ) यस्य च भावेन भावलक्षणम्
 (ण) साध्वसाधु प्रयोगे च
36. "हेतौ" सूत्र से हेतु अर्थात् कारण में कौन सी विभक्ति होती है-
 ✓(अ) तृतीया (इ) द्वितीया
 (उ) चतुर्थी (ऋ) पञ्चमी
37. "अपवर्गे तृतीया"- इस सूत्र का उदाहरण नहीं है-
 ✓(अ) मासम् अधीते
 (इ) मासेन अधीतः अनुवाकः
 (उ) क्रोशेन अधीतः अनुवाकः
 (ऋ) इनमें से कोई नहीं
38. "धारेरुत्तमर्णः" इस सूत्र में 'उत्तमर्ण' पद का क्या अर्थ है-
 (अ) ऋण लेने वाला (इ) ऋण देने वाला
 (उ) ऋण न देने वाला (ऋ) ऋण दिलाने वाला
39. 'उत्तमर्ण' की संज्ञा होती है-
 (अ) करण (इ) अपादान
 ✓(उ) सम्प्रदान (ऋ) कर्म
40. "तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या" इस वार्तिक से किसमें चतुर्थी का विधान हुआ है-
 (अ) काव्यं यशसे (इ) यूपाय दारु

www.chandrainstitute.com, 8400333264, 8400333260

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

- (3) मुक्तये हरि भजति (ऋ) उपर्युक्त सभी ✓
41. "भीत्रार्थानां भयहेतुः" इस अपादान-संज्ञक सूत्र का उदाहरण है-
 (अ) चौरात् बिभेति (इ) चौरात् त्रायते
 ✓ (उ) उपर्युक्त दोनों (ऋ) इनमें से कोई नहीं
42. "गोषु दुहामानासु गतः" यहाँ 'गो'शब्द में सप्तमी की विधान किस सूत्र से हुआ-
 ✓ (अ) यस्य च भावेन भावलक्षणम्
 (इ) यतश्च निर्धारणम्
 (उ) आधारोऽधिकरणम्
 (ऋ) यस्य विभाषा
43. 'अधिकरण' में किस विभक्ति का प्रयोग होता है-
 (अ) पञ्चमी (इ) सप्तमी ✓
 (उ) षष्ठी (ऋ) द्वितीया
44. अपाय (विश्लेष/वियोग) में जो अवधि बना हो, वह कारक क्या कहलाता है-
 ✓ (अ) अपादान (इ) सम्प्रदान
 (उ) करण (ऋ) अधिकरण
45. अनुक्त कर्ता और करण में किस विभक्ति का विधान होता है-
 (अ) प्रथमा (इ) द्वितीया
 ✓ (उ) तृतीया (ऋ) चतुर्थी
46. "साधकतमस्" किस कारक का लक्षण है-
 (अ) सम्प्रदान (इ) करण ✓
 (उ) कर्म (ऋ) अधिकरण
47. "अकथितं च" इस सूत्र के सन्दर्भ में कितनी द्विकर्मक धातुओं का परिगणन किया गया है-
 (अ) 12 (इ) 16 ✓
 (उ) 18 (ऋ) 20
48. द्विकर्मक धातुओं में प्रथम परिगणित धातु कौन है-
 (अ) याच् (इ) पच्
 ✓ (उ) दुह (ऋ) दण्ड
49. कर्ता क्रिया के द्वारा जिसे प्रसन्न करना चाहता है उस कारक की क्या संज्ञा होगी-
 (अ) करणसंज्ञा (इ) कर्मसंज्ञा
- ✓ (उ) सम्प्रदानसंज्ञा (ऋ) अपादानसंज्ञा
50. 'द्रोणो व्रीहिः' के 'व्रीहिः' पद में प्रथमाविभक्ति किस अर्थ में है-
 (अ) 'परिमाण अर्थ' में (इ) 'प्रातिपदिकार्थ' में ✓
 (उ) 'वचनमात्र' में (ऋ) 'लिङ्गमात्राधिक्य' में
51. चतुर्थी विभक्ति विधायक सूत्र है-
 (अ) चतुर्थी सम्प्रदाने
 (इ) चतुर्थी तदर्थार्थबलि-हित-सुखरक्षितैः
 ✓ (उ) उपर्युक्त दोनों (ऋ) इनमें से कोई नहीं
52. "नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलं वषट्योगाच्च" इस सूत्र से कौन सी विभक्ति होती है-
 (अ) द्वितीया (इ) तृतीया
 ✓ (उ) चतुर्थी (ऋ) षष्ठी
53. 'धिक' के योग में कौन सी विभक्ति होती है-
 (अ) षष्ठी (इ) पञ्चमी
 ✓ (उ) द्वितीया (ऋ) तृतीया
54. 'इत्थंभूतलक्षणे' सूत्र से सम्बद्ध विभक्ति है-
 (अ) पञ्चमी (इ) द्वितीया
 ✓ (उ) तृतीया (ऋ) चतुर्थी
55. कर्ता का इष्टतमकारक है-
 ✓ (अ) कर्म (इ) करण
 (उ) सम्प्रदान (ऋ) अपादान
56. 'चौरात् बिभेति' में पञ्चमी विभक्ति का कारण है-
 ✓ (अ) अपादाने पञ्चमी (इ) भीत्रार्थानां भयहेतुः
 (उ) आख्यातोपयोगे (ऋ) ध्रुवमपायेऽपादानम्
57. 'अनुरक्त कर्म' विभक्ति होती है-
 (अ) प्रथमा (इ) द्वितीया ✓
 (उ) तृतीया (ऋ) पञ्चमी
58. "पादेन खञ्जः" में तृतीया विभक्ति है-
 ✓ (अ) 'येनाङ्गविकारः' सूत्र से
 (इ) 'सहयुक्तेऽप्रधाने' सूत्र से
 (उ) 'साधकतमं करणं' सूत्र से
 (ऋ) 'कर्तृकरणयोस्तृतीया' सूत्र से
59. 'स्पृहा' के योग में विभक्ति होती है-
 (अ) द्वितीया (इ) तृतीया
 ✓ (उ) चतुर्थी (ऋ) पञ्चमी

60. "चर्मणि द्वीपिनं हन्ति" यहाँ 'चर्मणि' पद में विभक्ति हैं-

- ✓(अ) सप्तमी (इ) चतुर्थी
(उ) तृतीया (ऋ) पञ्चमी

61. "यस्य च भावेन भावलक्षणम्" यह सूत्र हैं-

- (अ) करणकारक में (इ) कर्मकारक में
✓(उ) अधिकरणकारक में (ऋ) अपादानकारक में

62. 'तस्मै श्रीगुरवे नमः'- इस वाक्य के 'श्रीगुरवे' पद में विभक्ति हैं-

- (अ) द्वितीया (इ) पञ्चमी
(उ) षष्ठी (ऋ) चतुर्थी ✓

63. "भीत्रार्थानां भयहेतुः" सूत्र हैं-

- (अ) कर्मकारक का (इ) अपादानकारक ✓
का
(उ) करणकारक का (ऋ) सम्प्रदानकारक का

64. 'पृथक्, विना, नाना' पदों के योग में विभक्ति होती

हैं-

- (अ) द्वितीया, चतुर्थी, षष्ठी
(इ) तृतीया, षष्ठी, सप्तमी
✓(उ) द्वितीया, तृतीया, पञ्चमी (235)
(ऋ) पञ्चमी, षष्ठी, सप्तमी

65. "पत्ये शेते"- यहाँ 'पति' की क्या संज्ञा होगी-

- (अ) अपादान (इ) करण
(उ) अधिकरण (ऋ) सम्प्रदान ✓

66. 'रुच्यर्थानां प्रीयमाणः' सूत्र से रुच्यर्थक धातुओं के प्रयोग में 'प्रीयमाण' की क्या संज्ञा होगी-

- (अ) अपादान (इ) करण
✓(उ) सम्प्रदान (ऋ) अधिकरण

67. 'मुक्तये हरिं भजति' यहाँ चतुर्थी का विधान किस वार्तिक से हुआ है-

- ✓(अ) तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या
(इ) क्लृप्ति सम्प्रदायमाने च
(उ) हितयोगे च
(ऋ) उत्पातेन ज्ञापिते च

68. 'दूर' एवं 'अन्तिक' (समीप) अर्थवाले शब्दों से कौन सी विभक्ति नहीं होगी-

(अ) द्वितीया

✓(उ) चतुर्थी

(इ) तृतीया

(ऋ) पञ्चमी

प्रत्यय

1. 'गच्छन्' इस पद में प्रत्यय हैं-

- (अ) तुमुन् (इ) शतृ ✓
(उ) शानच् (ऋ) क्त

2. 'निक्षिप्य' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

- ✓(अ) नि + क्षिप् + ल्यप्
(इ) नि + क्षिप् + ल्यप्
(उ) निक्षिप + ल्यप्
(ऋ) क्षिप् + ल्यप्

3. 'एधनीयम्' में कौन सा प्रत्यय हैं-

- (अ) तव्यत् (इ) यत्
✓(उ) अनीयर् (ऋ) ण्यत्

4. 'पठनीयः' में कौन सा प्रत्यय हैं?

- (अ) क्त्वा (इ) क्त
(उ) शतृ (ऋ) अनीयर् ✓

5. 'हस्तयितुम्' में प्रत्यय हैं-

- ✓(अ) तुमुन् (इ) क्त्वा
(उ) क्त (ऋ) ल्यप्

6. नाम के बाद जो प्रत्यय आते हैं, उन्हें क्या कहते हैं?

- (अ) णिजन्त (इ) तद्धित ✓
(उ) तिङ् (ऋ) कृदन्त

7. 'भू' धातु में 'क्त' प्रत्यय का योग करने पर बनेगा-

- (अ) भूत्वा (इ) भूतः ✓
(उ) भूयः (ऋ) भूतिः

8. 'कृ' धातु में 'तव्यत्' प्रत्यय का योग करने पर रूप बनेगा-

- ✓(अ) कर्तव्यम् (इ) कृतव्यम्
(उ) कृतव्यम् (ऋ) करणीयम्

9. 'करणीयम्' में प्रकृति प्रत्यय हैं-

- ✓(अ) कृ + अनीयर् (इ) कृ + शानच्
(उ) कृ + शतृ (ऋ) कृ + क्त्वा

10. 'गत्वा' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

- (अ) गम् + क्त (इ) गम् + क्त्वा ✓

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

(3) गम् + अनीयर्

(ऋ) गम् + क्तिन्

11. 'कुर्वाणः' में प्रकृति प्रत्यय हैं-

(अ) कृ + शत्

(इ) कृ + ल्यप्

(3) कृ + क्त्वा

✓ (ऋ) कृ + शानच्

12. 'गृहणम्' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

(अ) ग्रह + ल्यप्

✓ (इ) ग्रह + ल्युट्

(3) ग्रह + क्तिन्

(ऋ) ग्रह + तुमुन्

13. 'विहाय' में उपसर्ग प्रकृति एवं प्रत्यय हैं-

(अ) वि + हा + क्तिन्

(इ) वि + हा + क्त

✓ (3) वि + हा + ल्यप्

(ऋ) वि + हा + शत्

14. 'पा' धातु में 'क्त्वा' प्रत्यय के योग से रूप बनता है-

✓ (अ) पीत्वा

(इ) पायित्वा

(3) पिबित्वा

(ऋ) पात्वा

15. 'दानम्' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

✓ (अ) दा + ल्युट्

(इ) दा + ल्यप्

(3) दा + शानच्

(ऋ) शत्

16. 'पठितः' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

(अ) पठ् + क्तवतु

(इ) पठ् + ल्यप्

✓ (3) पठ् + क्त

(ऋ) पठ् + क्त्वा

17. 'शयितुम्' शब्द में प्रकृति प्रत्यय हैं-

(अ) शि + तुमुन्

(इ) शे + तुमुन्

(3) शा + तुमुन्

✓ (ऋ) शी + तुमुन्

18. 'लब्धवान्' रूप किस प्रत्यय से बना है?

(अ) क्त्वा से

(इ) शत् से

(3) क्त से

✓ (ऋ) क्तवतु से

19. 'दर्शनीयः' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

(अ) दृश + ल्युट्

(इ) दृश + तुमुन्

✓ (3) दृश + अनीयर्

(ऋ) दृश + ल्यप्

20. 'प्रच्छ' धातु में 'क्त्वा' प्रत्यय से बनता है-

(अ) प्रछवा

(इ) प्रष्ट्वा

(3) प्रिछवा

✓ (ऋ) पृष्ट्वा

21. 'भवितुम्' में प्रत्यय हैं-

(अ) शानच्

✓ (इ) तुमुन्

(3) शत्

(ऋ) क्त्वा

22. 'जा' धातु में 'ल्युट्' प्रत्यय लगने से बनता है-

(अ) जातम्

(इ) जानः

✓ (3) जानम्

(ऋ) जातुम्

23. 'भोक्तुम्' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

✓ (अ) भुज् + तुमुन्

(इ) भुज् + तुमुन्

(3) भोग् + तुमुन्

(ऋ) भोज् + तुमुन्

24. 'धनवान्' में कौन सा प्रत्यय है-

(अ) क्तवतु

(इ) अण्

✓ (3) मतुप्

(ऋ) क्त

25. 'स्थातुम्' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

(अ) स्था + शानच्

✓ (इ) स्था + तुमुन्

(3) स्था + क्त्वा

(ऋ) स्था + शत्

26. 'नयनम्' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

(अ) ने + ल्युट्

(इ) नयन + ल्युट्

✓ (3) नी + ल्युट्

(ऋ) नय + ल्युट्

27. वे शब्दांश जो किसी शब्द या धातु के पीछे लगकर उसके अर्थ को बदल देते हैं, क्या कहलाते हैं-

(अ) उपसर्ग

✓ (इ) प्रत्यय

(3) वाच्य

(ऋ) अव्यय

28. 'हन्' धातु से 'क्त' प्रत्यय लगाने पर क्या रूप बनता है?

(अ) हन्तः

✓ (इ) हतः

(3) हन्तः

(ऋ) हंतः

29. 'रक्षणीयः' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

(अ) रक्ष + णीयः

(इ) रक्ष + अनीयः

✓ (3) रक्ष + अनीयर्

(ऋ) रक्ष + अणीयरी

30. 'प्र + विश् + ल्यप्' जोड़ने पर बनता है-

(अ) पृविश्य

(इ) प्रविश्य

✓ (3) प्रविश्य

(ऋ) प्राविश्य

31. 'हसित्वा' पद में कौन सा प्रत्यय है?

✓ (अ) हस् + क्त्वा

(इ) हसि + क्त्वा

(3) हस + क्त्वा

(ऋ) हसित् + क्त्वा

32. 'भक्ष् + तुमुन्' जोड़ने पर रूप बनेगा-

(अ) भक्षयितुम्

✓ (इ) भक्षितुम्

(3) भक्षयतुम्

(ऋ) भक्षतुम्

33. 'जातुम्' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

- ✓(अ) जा + तुमुन् (इ) जा + तुम् (अ) नगर + इक् (इ) नागर + इक्
(उ) जात् + तुम् (ऋ) जान + तुमुन् (उ) नगरि + ठक् ✓(ऋ) नगर + ठक्
34. 'विलोक्य' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-
✓(अ) वि + लोक् + ल्यप् (इ) वि + लोक्य (अ) दुर्जन + तल् (इ) दूर्जन + त्व
(उ) वी + लोक् + ल्यप् (ऋ) विलोक् + ल्यप् (उ) दुजन + ता (ऋ) दुर्जन + त्व
35. 'क्री + तुमुन्' जोड़ने पर क्या बनता है-
(अ) क्रतुम् (इ) कर्तुम् 47. 'वैदिकः' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-
(उ) क्रीतुम् ✓(ऋ) क्रेतुम् (अ) वेद + इक् (इ) वैद + इक्
✓(उ) वेद + ठक् (ऋ) वेद + इक्
36. 'श्रोतुम्' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-
(अ) श्रो + तुमुन् (इ) श्रो + तुम् 48. 'मात्रिकः' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-
(उ) श्रु + तुम् ✓(ऋ) श्रु + तुमुन् ✓(अ) मात्रा + ठक् (इ) मात्री + इक्
(उ) मात्रा + इक् (ऋ) मात्रु + ठक्
37. 'वि + कृ + ल्यप्' क्या रूप बनता है-
(अ) विक्रीय ✓(इ) विकीर्य 49. 'नाविकः' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-
(उ) विकृय (ऋ) विकार्य (अ) नौ + इक् (इ) ना + वक्
✓(उ) नौ + ठक् (ऋ) नाव् + उक्
38. 'रक्ष + क्त' से बनता है-
(अ) रक्षितः (इ) रक्षितः 50. 'वैतनिक' में प्रकृति-प्रत्यय है-
(उ) रक्षतः ✓(ऋ) रक्षितः (अ) वैतन + इक् (इ) वैतन + ठक्
✓(उ) वैतन + ठक् (ऋ) वैतन + ईक्
39. 'श्रु + क्त' के योग से कौन सा रूप बनता है-
✓(अ) श्रुतः (इ) श्रूतः 51. 'गुरुता' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-
(उ) श्रुतिः (ऋ) श्रुक्तः (अ) गुरु + त्व (इ) गुरुता + ता
✓(उ) गुरु + तल् (ऋ) इनमें से कोई नहीं
40. 'दातुम्' में कौन सा प्रत्यय है-
(अ) दा + तुम् ✓(इ) दा + तुमुन् 52. 'पठितवत्' में प्रत्यय हैं-
(उ) दा + अतुम् (ऋ) दा + तुम् ✓(अ) क्तवतु (इ) वतुप्
(उ) मतुप् (ऋ) क्त
41. 'हस् + क्तवतु' के योग से कौन सा रूप बनता है-
✓(अ) हसितवान् (इ) हस्वान् 53. 'वैतनेयः' पद में किस प्रत्यय का विधान है-
(उ) हस्तवान् (ऋ) हस्तवतु (अ) मयट् (इ) वतुप्
✓(ऋ) ढक्
42. 'मासिक' पद में कौन सा प्रत्यय है-
(अ) मास + ठक् (इ) मास + त्व 54. 'दर्शकः' में प्रत्यय हैं-
✓(उ) मास + ठक् (ऋ) मास + ईक् (अ) तव्यत् ✓(इ) ण्वल्
(उ) ल्युट् (ऋ) ण्यत्
43. 'पौराणिक' में प्रकृति प्रत्यय हैं-
(अ) पौराण + इक् (इ) पौरा + णिक् 55. 'ईक्षमाणः' में प्रत्यय हैं-
(उ) पौरान् + णिक् ✓(ऋ) पुराण + ठक् (अ) केलिमर् ✓(इ) शानच्
(उ) कानच् (ऋ) शत्
44. 'दुष्ट + तल्' के योग से कौन सा रूप बनता है-
✓(अ) दुष्टता (इ) दुष्टम् 56. 'शुष्कः' में प्रत्यय हैं-
(उ) दुष्टतल् (ऋ) दुष्टता (अ) अक् ✓(इ) कः
(उ) अण् (ऋ) क्त
45. 'नागरिक' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

www.chandrainstitute.com, 8400333264, 8400333260

57. 'हित्वा' में प्रत्यय हैं-

- (अ) क्त (इ) अण्
✓(उ) क्त्वा (ऋ) ल्यप्

58. 'भोक्तुम्' में प्रत्यय हैं-

- ✓(अ) तुमुन् (इ) क्तवतु
(उ) क्त (ऋ) अण्

59. 'त्यज् + क्त' मिलकर कौन सा रूप बनता है?

- (अ) त्यजितः (इ) त्यजतः
(उ) त्यक्त्वा ✓(ऋ) त्यक्तः

60. 'तिङ्' प्रत्ययों की संख्या है?

- (अ) 90 (इ) 9
(उ) 36 ✓(ऋ) 18

61. 'सुप्' प्रत्ययों की संख्या कितनी है?

- ✓(अ) 21 (इ) 9
(उ) 24 (ऋ) 18

62. 'अधि+स्था+ल्यप्' शुद्ध रूप हैं-

- (अ) अध्याय (इ) अध्यस्त्याय
(उ) अधिस्थास ✓(ऋ) अधिष्ठाय

63. 'पीडितः' में प्रत्यय हैं-

- (अ) शानच् (इ) शतृ
(उ) क्तवतु ✓(ऋ) क्त

64. 'अर्च + क्तवतु' रूप बनता है-

- (अ) अर्चकः (इ) अर्चितः
(उ) अर्च्यम् ✓(ऋ) अर्चितवान्

65. 'उक्तवान्' क्रियापद में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

- (अ) गद् + क्तवतु (इ) वद् + क्तवत्
✓(उ) क्त + क्तवतु (ऋ) बु + क्तवतु

66. 'चुर + तुमुन्' के योग से बनता है-

- (अ) चुरितुम् (इ) चुर्यतुम्
✓(उ) चोरयितुम् (ऋ) चोरितुम्

67. 'उन्मूलनम्' में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

- ✓(अ) उत् + मूल + ल्युट्
(इ) उत् + मूल + अम्
(उ) उत् + मूल + घञ्
(ऋ) उत् + मूल + क्तिन्

68. 'प्र + भिद् + ल्यप्' के योग से यह रूप बनता है-

- (अ) प्रभौद्य (इ) प्रभिद्य
(उ) प्रभोद्य ✓(ऋ) प्रभेद्य

69. किन प्रत्ययों की 'निष्ठा' संज्ञा होती है-

- (अ) शतृ-शानच् ✓(इ) क्त-क्तवतु
(उ) क्तवा-ल्यप् (ऋ) उपर्युक्त सभी

70. 'क्तवतु' प्रत्यय का कर्ता किस विभक्ति में होता है-

- ✓(अ) प्रथमा (इ) तृतीया
(उ) दोनों में (ऋ) इनमें से कोई नहीं

71. 'भिद् + क्त' - इसका सही रूप होगा-

- ✓(अ) भिन्नः (इ) भित्तः
(उ) भीतः (ऋ) भितः

72. 'धा + क्त' - इसका सही रूप होगा-

- (अ) धत्तः (इ) धातः
✓(उ) हितः (ऋ) धाक्तः

वाच्य-

1. 'सः ग्रामं गच्छति' इसका कर्म-वाच्य होगा-

- ✓(अ) तेन ग्रामः गम्यते (इ) तेन ग्रामं गम्यते
(उ) सः ग्रामं गम्यते (ऋ) सः ग्रामं गच्छते

2. 'त्वं किं पठसि' ? इसका कर्मवाच्य होगा-

- (अ) त्वं पठ्यते (इ) त्वया पठ्यसे
✓(उ) त्वया किं पठ्यते (ऋ) त्वया किं पठ्यसे

3. 'त्वं मां नमसि' का कर्मवाच्य होगा-

- (अ) त्वां मां नम्यसे ✓(इ) त्वया मां नम्यते
(उ) त्वं अहं नम्ये (ऋ) त्वया अहं नम्ये

4. 'गुरुः शिष्यं प्रश्नं पृच्छति' इसका कर्मवाच्य होगा-

- (अ) गुरुणा शिष्यं प्रश्नं पृच्छयते
✓(इ) गुरुणा शिष्यः प्रश्नं पृच्छयते
(उ) गुरुणा शिष्ये प्रश्नं पृच्छयते
(ऋ) गुरुणा शिष्यः प्रश्नः पृच्छयते

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

5. 'बालाः क्रीडन्ति' - इसका भाववाच्य होगा-
(अ) बालाः क्रीडन्त्यन्ते (इ) बालैः क्रीडन्त्यते
(उ) बालैः क्रीडन्त्यन्ते (क) बालैः क्रीडन्ते
6. 'मया त्वं पाठ्यसे' इसका कर्तृवाच्य होगा-
(अ) मया त्वं पाठयामि (इ) अहं त्वं पठसि
(उ) अहं त्वं पाठये (क) अहं त्वां पाठयामि
7. 'रामः वनम् अगच्छत्' - इसका कर्मवाच्य होगा-
(अ) रामेण वनं गम्यते (इ) रामेण वनोऽगम्यत्
(उ) रामेण वनः गम्यत (क) रामेण वनम् अगम्यत
8. 'सा गीताम् अपठत्' इसका कर्मणि प्रयोग होगा-
(अ) तया गीता अपठयत (इ) तया गीतां पठितम्
(उ) तया गीता पठयते (क) तया गीतां पठयत
9. 'पिता पुत्रं पश्यति' - इसका कर्मवाच्य होगा-
(अ) पित्रा पुत्रः पश्यते (इ) पित्रेण पुत्रः पश्यते
(उ) पित्रा पुत्रः दृश्यते (क) पित्रेण पुत्रः दृश्यते
10. कर्मवाच्य में किसकी प्रधानता रहती है?
(अ) कर्ता (इ) क्रिया
(उ) कर्म (क) करण
11. कर्तृवाच्य में किसकी प्रधानता रहती है?
(अ) कर्ता (इ) कर्म
(उ) क्रिया (क) करण
12. भाववाच्य में किसकी प्रधानता रहती है?
(अ) कर्ता (इ) कर्म
(उ) करण (क) भाव
13. कर्मवाच्य में कर्ता किस विभक्ति में होता है?
(अ) तृतीया विभक्ति (इ) प्रथमा विभक्ति
(उ) चतुर्थी विभक्ति (क) द्वितीया विभक्ति
14. वाच्य कितने प्रकार का होता है?
(अ) 3 (इ) 2
(उ) 1 (क) 7
15. कर्तृवाच्य में कर्ता किस विभक्ति में होता है?
(अ) प्रथमा (इ) तृतीया
(उ) द्वितीया (क) चतुर्थी
16. भाववाच्य में कौन-सी क्रियाएँ होती हैं?
(अ) सकर्मक क्रिया (इ) अकर्मक क्रिया
(उ) द्विकर्मक क्रिया (क) इनमें से कोई नहीं

17. भाववाच्य के कर्ता में कौन-सी विभक्ति आती है?
(अ) प्रथमा (इ) द्वितीया
(उ) तृतीया (क) सम्बोधन
18. निम्नलिखित में भाववाच्य होगा-
(अ) तया श्रूयते (इ) अहं जीवामि
(उ) सः हसति (क) अहं तिष्ठामि
19. 'ते तत्र हसन्ति' - इसका भाववाच्य है-
(अ) तैः तत्र हस्यते (इ) तै तत्र हसते
(उ) तैः तत्रैः हस्यते (क) ताभ्यां तत्र हस्यते
20. 'मया त्वं पाठ्यसे' - इसका कर्तृवाच्य होगा-
(अ) मया त्वं पाठयसि (इ) अहं त्वां पाठसे
(उ) अहं त्वां पाठयामि (क) अहं त्वं पठसि
21. 'तेन सुप्यते' - किस वाच्य का वाक्य है?
(अ) कर्तृवाच्य (इ) कर्मवाच्य
(उ) दोनों (क) भाववाच्य
22. कर्तृवाच्य में 'कर्म' कौन सी विभक्ति में आता है?
(अ) प्रथमा (इ) द्वितीया
(उ) तृतीया (क) चतुर्थी

सङ्ख्या

1. 'आठ' को पुल्लिङ्ग में क्या कहेंगे-
(अ) अष्टम् (इ) अष्टौ
(उ) अष्टाः (क) इनमें से कोई नहीं
2. '99' का संस्कृत शब्दात्मक रूप होगा-
(अ) नवनवतिः (इ) नौनवतिः
(उ) नवानवतिः (क) नवतिः
3. '91' का संस्कृत शब्दात्मक रूप होगा-
(अ) एकसप्तमिः (इ) एकनवतिः
(उ) नवनवतिः (क) एकाशीतिः
4. '96' का संस्कृत रूप होगा-
(अ) षनवतिः (इ) षण्नवतिः
(उ) षट्नवतिः (क) षण्णवतिः
5. '25' का संस्कृत शब्दात्मक रूप होगा-
(अ) पविंशतिः (इ) पञ्चवती
(उ) पञ्चाशत् (क) पञ्चविंशतिः

www.chandrainstitute.com, 8400333264, 8400333260

6. '32' का संस्कृत शब्दात्मक रूप होगा-
 (अ) द्वित्रिंशत् (इ) द्वयंशत्
 ✓(उ) द्वात्रिंशत् (ऋ) द्विशत्
7. 'एकोनसप्ततिः' कौन सी संख्या है-
 (अ) 70 (इ) 71
 (उ) 79 ✓(ऋ) 69
8. कौन सी संख्या सदा एकवचन में रहती है?
 (अ) चतुर (इ) द्वि
 (उ) त्रि ✓(ऋ) एक
9. '100' का संस्कृत भाषा में रूप होगा-
 (अ) शततिः (इ) शततीः
 ✓(उ) शतम् (ऋ) शतति
10. संस्कृत भाषा में '80' का संख्यावाचक शब्द है?
 ✓(अ) आशीतिः (इ) अशीः
 (उ) अशीतिः (ऋ) अशीतीः
11. 'पचास' का संस्कृत शब्द होगा-
 (अ) पंचषत् ✓(इ) पञ्चाशत्
 (उ) पञ्चासत् (ऋ) पञ्चशत्
12. '60' का संस्कृत शब्द होगा-
 ✓(अ) षष्टिः (इ) सष्टी
 (उ) सष्टिः (ऋ) शष्टिः
13. '95' का संस्कृत शब्द क्या होगा?
 (अ) पंचानवतिः (इ) पञ्चनवः
 (उ) पञ्चनविः ✓(ऋ) पञ्चनवतिः
14. 'नब्बे' का संस्कृत में शब्दात्मक रूप होगा?
 ✓(अ) नवतिः (इ) नवितीः
 (उ) नवितिः (ऋ) नवीतिः
15. 'चालीस' का संस्कृत भाषा में शब्द है-
 (अ) चत्वारिंशः (इ) चत्वारिंशत्
 (उ) चत्वारिंशतिः ✓(ऋ) चत्वारिंशत्
16. 'दश' का संस्कृत में रूप होगा-
 (अ) ज, ✓(इ) दश
 (उ) दष (ऋ) दशतिः
17. 'एक हजार' को संस्कृत में क्या कहते हैं-
 (अ) सहस्रीः (इ) सहस्त्रतिः
 ✓(उ) सहस्रम् (ऋ) सहस्त्रम्
18. '89' का संस्कृत में संख्या शब्द क्या होगा-
 (अ) नवशीतिः ✓(इ) नवाशीतिः
 (उ) नवेशीतिः (ऋ) नवशीतीः
19. '19' को संस्कृत में कहते हैं-
 ✓(अ) एकोनविंशतिः (इ) एकोविंशतिः
 (उ) एकनविंशतिः (ऋ) एकविंशतिः
20. 'चौथा' शब्द का स्त्रीलिङ्ग में क्रमवाची रूप क्या है?
 ✓(अ) चतुर्थः (इ) चतुर्थी
 (उ) चतुर्थी (ऋ) चतुर्थम्
21. संस्कृत में 'चत्वारिंशत्' किस संख्या का वाचक है?
 (अ) 400 (इ) 101
 ✓(उ) 40 (ऋ) 44
22. 'अष्टाविंशतिः' शब्द का क्या अर्थ है-
 (उ) 18 (इ) 38
 ✓(ऋ) 28 (ऋ) 48
23. '55' संख्या का वाचक संस्कृत शब्द कौन सा है?
 (अ) पञ्चपञ्चशत् ✓(इ) पञ्चपञ्चाशत्
 (उ) पञ्चापञ्चशत् (ऋ) पञ्चापञ्चाशत्
24. संख्यावाची शब्द 'षण्णवतिः' किस अङ्क का वाचक है?
 (अ) 69 (इ) 79
 ✓(उ) 96 (ऋ) 66
25. '49' का शब्दात्मक रूप होगा-
 (अ) एकोनचत्वारिंशत् (इ) नौचत्वारिंशत्
 ✓(उ) नवचत्वारिंशत् (ऋ) नवचत्वारिः
26. 'षट्सप्ततिः' का अर्थ है-
 (अ) 670 (इ) 607
 (उ) 67 ✓(ऋ) 76
27. '32' को संस्कृत में कहते हैं-
 (अ) द्वौत्रिंशत् ✓(इ) द्वात्रिंशत्
 (उ) द्वित्रिंशत् (ऋ) द्वेत्रिंशत्
28. 'चतुरशीतिः' किसे कहते हैं?
 (अ) चालाक ✓(इ) 84
 (उ) 48 (ऋ) 480
29. 'अठारह' (18) को संस्कृत में कहते हैं-
 (अ) अष्टदश (इ) अष्टादस
 (उ) अष्टादश (ऋ) अष्टादष

30. 'त्रयोविंशतिः' को अङ्क में लिखा जाता है-

- (अ) 33 (इ) 63
(उ) 32 (ऋ) 23

31. 'एकोनपञ्चाशत्' को अङ्क में लिखा जाता है-

- (अ) 59 (इ) 39
(उ) 48 (ऋ) 49

32. 'त्रिशत्' को अङ्कों में लिखा जाता है-

- (अ) 30 (इ) 34
(उ) 33 (ऋ) 43

33. 'द्विपञ्चाशत्' को कहा जाता है-

- (अ) 25 (इ) 62
(उ) 52 (ऋ) 72

34. '102' को संस्कृत में कहेंगे-

- (अ) द्वयधिकं शतम् (इ) द्विशतम्
(उ) शतद्वयम् (ऋ) उपर्युक्त में कोई नहीं

धातुरूप-

1. 'भू' धातु का लटलकार उत्तमपुरुष बहुवचन का रूप

- होगा-
(अ) भवावः (इ) भवामि
(उ) भवामः (ऋ) भवन्ति

2. 'भू' धातु का लृटलकार प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप होगा-

- (अ) भविष्यति (इ) भविष्यतः
(उ) भवसि (ऋ) भविष्यन्ति

3. 'भू' धातु का लङलकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा

- (अ) भवानि (इ) भवताम्
(उ) अभवन् (ऋ) अभवत्

4. 'पठ्' धातु का लृटलकार मध्यमपुरुष एकवचन का रूप

- होगा-
(अ) पठिष्यामि (इ) पठिष्यन्ति
(उ) पठिष्यामि (ऋ) पठिष्यसि

5. 'पठ्' धातु का विधिलिङलकार में प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप होगा-

- (अ) पठेत् (इ) पठेत्
(उ) पठेतम् (ऋ) पठेयुः

6. 'पठ्' धातु का लङलकार मध्यमपुरुष एकवचन का रूप होगा-

- (अ) अपठः (इ) अपठन्
(उ) अपठताम् (ऋ) अपठाम

7. 'पठ्' धातु का लोटलकार प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप होगा-

- (अ) अपठम् (इ) पठ
(उ) पठतम् (ऋ) पठन्तु

8. 'गम' धातु लोटलकार मध्यमपुरुष बहुवचन का रूप होगा-

- (अ) गच्छावः (इ) गच्छन्ति
(उ) गच्छत (ऋ) गच्छसि

9. 'वद' धातु का लोटलकार मध्यमपुरुष बहुवचन का रूप होगा-

- (अ) वदत (इ) वदन्तु
(उ) वद (ऋ) वदतु

10. 'गम' धातु का लङलकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा-

- (अ) अगच्छत् (इ) अगच्छः
(उ) अगच्छन् (ऋ) अगच्छताम्

11. 'हस्' धातु का उत्तमपुरुष लङलकार एकवचन का रूप होगा-

- (अ) अहसतम् (इ) अहसम्
(उ) अहसः (ऋ) अहसाम्

12. 'चुर' धातु के लोटलकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा-

- (अ) चोरयताम् (इ) चोरय
(उ) चोरयन्तु (ऋ) चोरयतु

13. 'दुह' धातु का लटलकार प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप होगा-

- (अ) दोग्धि (इ) दुग्धः
(उ) दोग्धि (ऋ) दुहन्ति

14. 'दुह' धातु का लृटलकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा-

- (अ) दुग्ध (इ) दुहन्तु
(उ) दुग्धाम् (ऋ) दोग्धु

15. 'दुह' धातु का लटलकार मध्यमपुरुष एकवचन का रूप होगा-

- (अ) दुहन्ति (इ) दोग्धि
(उ) दुग्धः (ऋ) धोक्षि
16. 'दुह' धातु का लट्लकार मध्यमपुरुष बहुवचन का रूप होगा-
(अ) अधोक् (इ) अदुहन्
(उ) अदोहम् (ऋ) अदुग्ध
17. 'दुह' धातु के लृटलकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा-
(अ) धोक्ष्यति (इ) धोक्ष्यथः
(उ) धोक्ष्यन्ति (ऋ) धोक्ष्यथ
18. 'गम्' धातु का लृटलकार उत्तमपुरुष द्विवचन का रूप होगा-
(अ) गच्छति (इ) गच्छामः
(उ) गमिष्यावः (ऋ) अगच्छत्
19. 'हु' धातु के लटलकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा-
(अ) जुहोति (इ) जुहूतः
(उ) जुहुमः (ऋ) जहोषि
20. 'क्री' धातु के लटलकार में प्रथमपुरुष एकवचन का रूप होगा-
(अ) क्रीणति (इ) क्रीणन्ति
(उ) क्रीणसिः (ऋ) क्रीणासि
21. 'पिबन्तु' क्रियापद में कौन सी धातु है?
(अ) पिब (इ) पा
(उ) पिब् (ऋ) पीब
22. 'तिष्ठति' क्रियापद में कौन सी धातु है?
(अ) तिष्ठ (इ) तिष्ठ
(उ) स्था (ऋ) इनमें से कोई नहीं
23. 'स्थास्यति' क्रियापद में कौन सा लकार है?
(अ) लट (इ) लृट
(उ) लङ् (ऋ) लोट
24. 'जिघ्रति' क्रियापद में कौन सी धातु है?
(अ) घ्रा (इ) जिघ्र
(उ) जिघ्र (ऋ) घ्राण्
25. 'पा' धातु का लृटलकार प्रथमपुरुष बहुवचन में क्या रूप बनता है?
(अ) पिबिष्यन्ति (इ) पास्यन्ति
(उ) पासिष्यन्ति (ऋ) पाष्यन्ति
26. 'दृश्' धातु के लृटलकार एकवचन प्रथमपुरुष में होगा-
(अ) पश्यति (इ) द्रक्ष्यति
(उ) दृश्यति (ऋ) पश्यामि
27. 'आसीत्' क्रिया का लकार है-
(अ) लुङ् (इ) लङ्
(उ) लिट् (ऋ) लृङ्
28. विधिलिङ्लकार के रूप किस वर्ग में हैं-
(अ) भवतु, पठताम्,
(इ) भवेत्, भवेत्
(उ) लभताम्, सेवन्ताम्
(ऋ) वुदते, रुणद्धि
29. संस्कृत में धातुरूप कहते हैं-
(अ) संज्ञा पद को (इ) कर्मपद को
(उ) क्रियापद को (ऋ) विशेषण पद को
30. 'हन्ति' रूप कहाँ बनता है?
(अ) प्रथमपुरुष बहुवचन में (इ) उत्तमपुरुष बहुवचन में
(उ) प्रथमपुरुष एकवचन में (ऋ) मध्यमपुरुष एकवचन में
31. 'ददति' रूप बनता है-
(अ) उत्तमपुरुष बहुवचन में (इ) प्रथमपुरुष एकवचन में
(उ) प्रथमपुरुष बहुवचन में (ऋ) प्रथमपुरुष द्विवचन में
32. 'भी' धातु परस्मैपद लटलकार मध्यमपुरुष एकवचन का रूप है-
(अ) बिभीत (इ) बुभेतु
(उ) बिभेषि (ऋ) बिभेमि
33. 'भी' धातु के लोटलकार, प्रथमपुरुष, एकवचन का रूप होगा-
(अ) भयतु (इ) विभीतु
(उ) बिभेतु (ऋ) बभयतु
34. 'ब्रू' धातु के लोटलकार अन्यपुरुष एकवचन का रूप है-
(अ) ब्रवीतु (इ) ब्रूहि
(उ) ब्रवतु (ऋ) वदतु

शब्दरूप

1. 'युष्मद्' सर्वनाम शब्द, पञ्चमी विभक्ति, बहुवचन का रूप होगा-

CHANDRA INSTITUTE ALLD. 8400333264

- ✓(अ) युष्मत् (इ) युष्मभ्यम् (अ) पतये (इ) पत्यै
(उ) युष्याभिः (ऋ) युष्मात् (उ) पत्या (ऋ) पत्ये
2. 'माता' रूप का मूल शब्द हैं?
(अ) आकारान्त है (इ) अकारान्त है
(उ) इकारान्त है (ऋ) ऋकारान्त है
3. 'नदी' शब्द का द्वितीया बहुवचन का रूप हैं-
✓(अ) नदीः (इ) नदाः
(उ) नदीन् (ऋ) नदीभिः
4. 'गो' शब्द का षष्ठी बहुवचन का रूप होगा-
(अ) गोनाम् (इ) गोवाम्
✓(उ) गवाम् (ऋ) गवानाम्
5. 'युष्मद्' शब्द के षष्ठी एकवचन का रूप होगा-
✓(अ) तव (इ) युष्मस्य
(उ) युष्मत् (ऋ) त्वत्
6. 'अस्मद्' शब्द चतुर्थी बहुवचन में रूप चलता हैं-
✓(अ) अस्मभ्यम् (इ) अस्माभ्यः
(उ) असमभ्यः (ऋ) अस्मेभ्यः
7. 'बालक' शब्द का द्वितीया बहुवचन का रूप हैं-
(अ) बालकाः (इ) बालकान्
(उ) बालकेन (ऋ) बालकैः
8. 'कवि' शब्द का पञ्चमी एकवचन का रूप हैं-
✓(अ) कवेः (इ) कवयः
(उ) कवये (ऋ) कवीन्
9. 'सुधियम्' किस विभक्ति का रूप हैं?
✓(अ) द्वितीया (इ) पञ्चमी
(उ) तृतीया (ऋ) चतुर्थी
10. 'तत्' सर्वनाम का षष्ठी विभक्ति का रूप हैं-
(अ) तेन (इ) तस्मात्
✓(उ) तस्य (ऋ) तत्
11. 'त्वत्' किस सर्वनाम का रूप हैं?
✓(अ) युष्मद् (इ) तत्
(उ) अस्मद् (ऋ) इदम्
12. 'माम्' किस सर्वनाम का रूप हैं?
(अ) अदस् (इ) युष्मद्
✓(उ) अस्मद् (ऋ) इदम्
13. 'पति' का चतुर्थी विभक्ति में रूप होगा-
(अ) पतये (इ) पत्यै
(उ) पत्या (ऋ) पत्ये
14. 'अस्मद्' शब्द का चतुर्थी विभक्ति एकवचन का रूप होगा-
(अ) आवाम् (इ) अस्मभ्यम्
✓(उ) मे/महम् महम् (ऋ) मयि
15. 'हन्' धातु का रूप लोटलकार मध्यमपुरुष एकवचन होगा-
(अ) हन्ति (इ) हतवान्
✓(उ) जहि (ऋ) हतः
16. 'पति' शब्द का सप्तमी एकवचन का रूप हैं-
✓(अ) पत्यौ (इ) पत्युः
(उ) पतीन् (ऋ) पत्ये
17. 'मति' शब्द का चतुर्थी एकवचन हैं-
(अ) मतौ (इ) मतायै
✓(उ) मत्यै तथा मतये दोनों (ऋ) मत्यै तथा मतये ये दोनों नहीं
18. 'राजन्' शब्द का षष्ठी द्वितीय बहुवचन में रूप बनेगा-
(अ) राजः (इ) राजानः
(उ) राजा (ऋ) राजाम्
19. 'भानु' शब्द का षष्ठी बहुवचन में रूप होगा-
(अ) भानुभिः (इ) भानूनाम्
(उ) भानून् (ऋ) भानोः
20. 'रमा' शब्द का तृतीया बहुवचन में रूप होगा-
(अ) रमाणाम् (इ) रमासु
✓(उ) रमाभिः (ऋ) रमाः
21. 'मति' शब्द का तृतीया एकवचन में रूप होगा-
(अ) मत्याः (इ) मतया
(उ) मतिना (ऋ) मत्या
22. 'किम्' (पुं.) शब्द का पञ्चमी एकवचन का रूप होगा-
(अ) केन (इ) काम्
(उ) कस्याः (ऋ) कस्मात्
- अशुद्धिपरिमार्जन-
1. (अ) रामाः दीनाय धनं ददन्ति।

www.chandrainstitute.com, 8400333264, 8400333260

- (इ) रामः दीनान् धनं ददन्ति।
 (उ) रामः दीनाय धनं ददति।
 ✓ (ऋ) रामः दीनाय धनं ददाति।
2. ✓ (अ) अध्ययनात् पराजयते।
 (इ) अध्ययनां पराजयते।
 (उ) अध्ययनाय पराजये।
 (ऋ) अध्ययनस्य पराजयते।
3. ✓ (अ) आवां पठावः (इ) अहं पठावः
 (उ) वयं पठावः (ऋ) यूयं पठावः
4. (अ) मया चन्द्रः पश्यति।
 (इ) मया चन्द्रः पश्यते।
 ✓ (उ) मया चन्द्रः दृश्यते।
 (ऋ) मया चन्द्रः पश्यामि।
5. (अ) उभयतः कृष्णस्य गोपालाः सन्ति।
 ✓ (इ) उभयतः कृष्णं गोपालाः सन्ति।
 (उ) उभयतः कृष्णेन गोपालाः सन्ति।
 (ऋ) उभयतः कृष्णात् गोपालः सन्ति।
6. (अ) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः।
 (इ) कवीनां कालिदासः श्रेष्ठः।
 (उ) कविभ्यः कालिदासः श्रेष्ठः।
 ✓ (ऋ) केवल 'अ' और 'इ' सही हैं।
7. ✓ (अ) गुरुः शिष्याय कृध्यति
 (इ) गुरुः शिष्ये कृध्यति
 (उ) गुरुः शिष्ये कृध्यति
 (ऋ) गुरुः शिष्यस्य कृध्यति
8. (अ) युवां पुस्तकं पठथ। ✓ (इ) यूयं पुस्तकं पठथ।
 (उ) आवां पुस्तकं पठथ। (ऋ) त्वं पुस्तकं पठथ।
9. ✓ (अ) बालिका जलात् मुखं प्रक्षालयति।
 (इ) बालिका जले मुखं प्रक्षालयति।
 (उ) बालिका जलेन मुखं प्रक्षालयति।
 (ऋ) बालिका जलं मुखं प्रक्षालयति।
10. (अ) मयि मोदकं रोचते।

- (इ) मां मोदकं रोचते।
 (उ) मया मोदकं रोचते।
 ✓ (ऋ) मध्यम् मोदकं रोचते।

व्याकरणस्य सामान्य-परिचयः

1. पाणिनि की माता का नाम हैं-
 (अ) दाक्षायणी ✓ (इ) दाक्षी
 (उ) आर्या (ऋ) लोपामुद्रा
2. पाणिनि के गुरु का नाम हैं-
 ✓ (अ) वर्ष (इ) उपोवर्ष
 (उ) माहेश्वर (ऋ) शाकटायन
3. पाणिनि कहाँ के निवासी माने जाते हैं?
 ✓ (अ) शालातुर (इ) गोनर्द
 (उ) वाहीक (ऋ) कटक
4. वेद पुरुष का मुख माना जाता हैं-
 (अ) शिक्षा (इ) निरुक्त
 (उ) ज्योतिष ✓ (ऋ) व्याकरण
5. 'व्याकरण' का दूसरा नाम हैं-
 ✓ (अ) शब्दानुशासनम् (इ) वाक्यानुशासनम्
 (उ) लिङ्गानुशासनम् (ऋ) धात्वानुशासनम्
6. 'अष्टाध्यायी' के अतिरिक्त पाणिनि की रचना मानी जाती हैं-
 ✓ (अ) जाम्बवतीजयम् (इ) स्वर्गारोहणम्
 (उ) पार्वतीविजयम् (ऋ) त्रिपुरविजयम्
7. अष्टाध्यायी का अपरनाम (पर्यायनाम) क्या हैं-
 (अ) शब्दानुशासन (इ) अष्टक
 (उ) वृत्तिसूत्र ✓ (ऋ) उपर्युक्त सभी
8. महर्षि पतञ्जलि का स्थानमाना जाता हैं-
 (अ) शालातुर ✓ (इ) गोनर्द (गोण्डा)
 (उ) महाराष्ट्र (ऋ) वाहीक

1. "आदिरन्त्येन सहेता" इस सूत्र से किस संज्ञा का विधान किया जाता है—

क. उपघा ☒ ख. प्रत्याहार संज्ञा

ग. नदी घ. टि

2. 'प्रत्याहार' कितने होते हैं—

क. 40 ख. 41

☒ ग. 42 घ. 45

3. 'अ, इ, उ, ऋ'— इन प्रत्येक वर्णों के कितने भेद होते हैं—

क. सत्रह ख. चौदह

☒ ग. अठारह घ. नव

4. 'ए, ओ, ऐ, औ'— इनमें से प्रत्येक वर्ण कितने प्रकार का होता है—

क. अठारह ख. चौदह

ग. अड़तालिस ☒ घ. बारह

5. अ, आ, क वर्ग, ह, विसर्ग— इन वर्णों का उच्चारणस्थान है—

क. तालु ख. दन्त

☒ ग. कण्ठ घ. ओष्ठ

6. ऋ, ट वर्ग, र, व— इन वर्णों का उच्चारणस्थान है—

क. कण्ठ ☒ ख. मूर्धा

ग. दन्त घ. ओष्ठ

7. लृ, तवर्ग, ल, स— इन वर्णों का उच्चारणस्थान है—

क. कण्ठ ख. मूर्धा

ग. तालु ☒ घ. दन्त

8. उ, ऊ, प वर्ग, प, फ उपध्मानीय— इन वर्णों का उच्चारणस्थान है—

☒ क. ओष्ठ ख. तालु

ग. मूर्धा घ. कण्ठ

9. ओ, औ— इन वर्णों का उच्चारणस्थान है—

क. कण्ठतालु ख. कण्ठ—नासिका

☒ ग. कण्ठोष्ठम् घ. कण्ठ—मूर्धा

10. ए, ऐ— इन वर्णों का उच्चारणस्थान होगा—

☒ क. कण्ठ तालु ख. कण्ठोष्ठम्

ग. कण्ठ—मूर्धा

घ. कण्ठ—दन्त

11. ज म ङ ण न— इन वर्णों का एक विशेष उच्चारणस्थान भी माना जाता है—

क. तालु

ख. कण्ठ

ग. मूर्धा

☒ घ. नासिका

12. क ख— इन जिह्वामूलीय वर्णों का उच्चारणस्थान माना जाता है—

☒ क. जिह्वामूलम्

ख. तालु

ग. कण्ठ—तालु

घ. कण्ठतालु

13. पाणिनीय शिक्षा के अनुसार उच्चारणस्थान कितने होते हैं—

क. 7

☒ ख. 8

ग. 6

घ. 5

14. प्रयत्न कितने प्रकार का होता है—

क. 4

ख. 8

ग. 7

☒ घ. 2

15. आभ्यन्तर प्रयत्न कितने प्रकार का होता है—

क. 6

☒ ख. 5

ग. 7

घ. 4

16. बाह्यप्रयत्न कितने प्रकार का होता है—

☒ क. 11

ख. 14

ग. 18

घ. 15

17. आभ्यन्तर प्रयत्न का भेद नहीं है—

क. स्पृष्ट

ख. विवृत

ग. संवृत

☒ घ. संवार

18. बाह्य प्रयत्न का भेद नहीं है—

क. विवार, संवार, श्वास, नाद

ख. घोष, अघोष, अल्पप्राण, महाप्राण

ग. उदात्त, अनुदात्त, स्वरित

☒ घ. स्पृष्ट, विवृत, संवृत

19. "क से म" तक के वर्णों को कहते हैं—

क. अन्तः स्वरवर्ण

ख. ऊष्मवर्ण

☒ ग. स्पर्श वर्ण

घ. स्वर वर्ण

20. "अन्तःस्थ वर्ण" कहे जाते हैं—

- क. श ष स ह ☒ ख. य व र ल
ग. ज् म ङ् ण न् ☐ घ. अ इ उ ऋ लृ

21. "ऊष्मवर्ण" कहते हैं—

- क. ए, ओ, ऐ, औ ☐ ख. ज् ब ग् ड् द्
☒ ग. श ष स ह ☐ घ. य व र ल

22. वर्गों के द्वितीय चतुर्थ एवं शल् प्रत्याहार के वर्ण कहे जाते हैं—

- क. अन्तःस्थ वर्ण ☐ ख. स्पर्श वर्ण
ग. अल्पप्राण ☒ घ. महाप्राण

23. वर्गों के प्रथम्, तृतीय, पंचम् एवं यण् प्रत्याहार के वर्ण कहे जाते हैं—

- क. महाप्राण ☒ ख. अल्पप्राण
ग. उदात्त ☐ घ. अनुदात्त

24. 'खर्' प्रत्याहार के वर्णों का बाह्य प्रयत्न होगा—

- ☒ क. विवार श्वास अघोष ☐ ख. संवार नाद घोष
ग. विवार संवार घोष ☐ घ. नाद, अघोष, विवार

25. 'हश्' प्रत्याहार के वर्णों का बाह्य प्रयत्न होगा—

- क. विवार अघोष घोष ☒ ख. संवार नाद घोष
ग. विवार श्वास अघोष ☐ घ. नाद, अघोष, विवार

26. 'झष्' प्रत्याहार के अन्तर्गत आते हैं—

- ☒ क. वर्गों के चतुर्थ वर्ण ☐ ख. वर्गों के तृतीय वर्ण
ग. वर्गों के प्रथम वर्ण ☐ घ. वर्गों के द्वितीय वर्ण

27. 'जश्' प्रत्याहार के अन्तर्गत वर्ण आते हैं—

- क. वर्गों के प्रथम वर्ण ☐ ख. वर्गों के द्वितीय वर्ण
☒ ग. वर्गों के तृतीय वर्ण ☐ घ. वर्गों के चतुर्थ वर्ण

28. दीर्घ संज्ञक स्वर होते हैं—

- क. एकमात्रिक ☒ ख. द्विमात्रिक
ग. त्रिमात्रिक ☐ घ. इनमें से कोई नहीं

29. ह्रस्वसंज्ञक स्वरों की कितनी मात्रा होती है—

- ☒ क. एकमात्रा ☐ ख. द्विमात्रा
ग. त्रिमात्रा ☐ घ. अर्धमात्रा

30. प्लुतसंज्ञक स्वर होते हैं—

- क. एकमात्रिक ☐ ख. द्विमात्रिक
☒ ग. त्रिमात्रिक ☐ घ. अर्धमात्रिक

31. व्यंजन (हल्) वर्णों की मात्रा होती है—

- क. एकमात्रा ☐ ख. द्विमात्रा
ग. त्रिमात्रा ☒ घ. अर्धमात्रा

32. अ इ उ ऋ लृ— इन पाँच स्वरों को माना जाता है—

- क. मूल स्वर ☐ ख. ह्रस्व स्वर
☒ ग. उपर्युक्त दोनों ☐ घ. संयुक्त स्वर

33. दीर्घ स्वर नहीं है—

- क. आ, ई, ऊ ☐ ख. ऋ, ए, ऐ
ग. ओ, औ ☒ घ. अ, इ, लृ

34. 'अनुदात्त संज्ञा' करने वाला संज्ञासूत्र है—

- क. उच्चैरुदात्तः ☒ ख. नीचैरनुदात्तः
ग. समाहारः स्वरितः ☐ घ. अदर्शनं लोपः

35. "समाहारः स्वरितः" सूत्र से होती है—

- क. उदात्त संज्ञा ☒ ख. स्वरित संज्ञा
ग. अनुदात्त संज्ञा ☐ घ. समाहार संज्ञा

36. मुख और नासिका से एक साथ उच्चरित होने वाले वर्ण कहे जाते हैं—

- क. अननुनासिक ☒ ख. अनुनासिक
ग. निरनुनासिक ☐ घ. नासिक

37. किस स्वर वर्ण का दीर्घ नहीं होता—

- क. ऋ ☒ ख. लृ
ग. अ ☐ घ. उ

38. निम्न में कौन ह्रस्व स्वर है—

- क. ए, ओ ☐ ख. ऐ, औ
ग. आ, ई ☒ घ. ऋ, लृ

39. क से म तक स्पर्शवर्णों का आभ्यन्तर प्रयत्न होगा—

- ☒ क. स्पृष्ट प्रयत्न ☐ ख. ईषत्स्पृष्ट प्रयत्न
ग. विवृत प्रयत्न ☐ घ. संवृत प्रयत्न

40. ईषत्स्पृष्ट प्रयत्न होता है—

क. स्वरों का ख. श ष स ह ऊष्मा वर्णों
ग. हल् वर्णों का ☒ घ. य व र ल अन्तःस्थ

41. स्वर वर्णों का प्रयत्न है—

☒ क. विवृत ख. ईषत्विवृत
ग. संवृत घ. स्पृष्ट

42. ईषत्विवृत प्रयत्न माना जाता है—

☒ क. श ष स ह (शल) ख. य व र ल (यण)
ग. स्वरों का (अच्) घ. इनमें से कोई नहीं

43. "जिह्वामूलीय" वर्ण माने जाते हैं—

☒ क. प फ ख. अं अः
ग. क ख घ. क प

44. व्याकरणशास्त्र में "उपध्मानीय" वर्ण हैं—

क. क ख ☒ ख. प फ
ग. कु चु घ. अं अः

45. संज्ञाप्रकरण के सभी सूत्र अष्टाध्यायी के किस अध्याय के हैं—

☒ क. प्रथम ख. द्वितीय
ग. तृतीय घ. चतुर्थ

46. व्याकरण के त्रिमुनि के अन्तर्गत नहीं गिने जाते हैं—

क. पाणिनि ख. कात्यायन
ग. पतंजलि ☒ घ. भट्टोजिदीक्षित

47. माहेश्वर सूत्रों में कौन सा वर्ण दो बार आया है—

क. अ ख. क
☒ ग. ह घ. ल

48. माहेश्वर सूत्रों में कौन सा "इत्संज्ञकवर्ण" दो बार पठित है—

क. इ ☒ ख. ण्
ग. क् घ. च्

49. माहेश्वर सूत्र में मूल स्वरवर्ण कितने हैं—

क. 6 ☒ ख. 5
ग. 9 घ. 14

50. सभी स्वरों और व्यंजनों का बोध कराने वाला प्रत्याहार है—

क. अच् ख. हल्
ग. झष् ☒ घ. अल्

51. 'अच्' प्रत्याहार के अन्तर्गत आते हैं—

क. सभी व्यंजन ख. सभी दीर्घ स्वर
☒ ग. सभी स्वर घ. केवल ह्रस्व स्वर

52. 'हल्' प्रत्याहार के अन्तर्गत वर्ण आते हैं—

क. सभी स्वर और व्यंजन वर्ण
ख. केवल स्वर वर्ण
☒ ग. सभी व्यंजन वर्ण
घ. व्यंजन वर्णों के पंचमाक्षर

53. वर्णों के पंचमाक्षरों को कहा जाता है—

क. निरनुनासिक ख. अननुनासिक
☒ ग. अनुनासिक ☒ घ. मुखनासिक

54. वृद्धिसंज्ञक वर्ण नहीं हैं—

क. आ ख. ऐ
ग. औ ☒ घ. अर्

55. गुणसंज्ञक वर्ण नहीं हैं—

क. अ ख. ए
ग. ओ ☒ घ. आर्

56. 'इ, ई, च वर्ग, य, श' इन वर्णों का उच्चारण स्थान है—

☒ क. तालु ख. मूर्धा
ग. कण्ठ घ. ओष्ठ

57. "उपधासंज्ञा" होती है—

क. पदों के अन्तिम वर्ण की ☒
ख. पदों के आदि वर्ण की
ग. स्वर सहित अन्तिम व्यंजन की
घ. अन्तिम वर्ण से पूर्व वर्ण की

58. सुप् प्रत्ययों की संख्या है—

क. 9 ख. 18

- ग. 21 घ. 24
59. तिङ् प्रत्ययों की संख्या होती है—
क. 9 ख. 18
ग. 27 घ. 90
60. "विभाषा" का क्या अभिप्राय है—
क. परिभाषा ख. संशय
ग. निश्चय घ. विकल्प
61. "अनुनासिक वर्णों" का उच्चारणस्थान है—
क. कण्ठ ख. ओष्ठ
ग. दन्त घ. मुखनासिका
62. वर्गों के कौन से वर्ण अनुनासिक कहलाते हैं—
क. प्रथम ख. द्वितीय
ग. तृतीय घ. पंचम
63. किसकी "प्रगृह्यसंज्ञा" नहीं होती है—
क. ईकारान्त द्विवचन ख. ऊकारान्त द्विवचन
ग. एकारान्त द्विवचन घ. ओकारान्त द्विवचन
64. "अपृक्त संज्ञा" किस वर्ण की होती है—
क. प्रत्यय से शेष बचे एक स्वर या व्यंजन की
ख. प्रत्यय से शेष बचे दो व्यंजनों की
ग. प्रत्यय से शेष बचे दो स्वरों की
घ. संयुक्त स्वर व्यंजन की
65. 'ष' वर्ण को कहते हैं—
क. मूर्धन्य ख. तालव्य
ग. दन्त्य घ. इनमें से कोई नहीं
66. दन्त्यवर्ण है—
क. ऋटुरष् ख. इनुयश्
ग. उपपृष्मानीयु घ. लृतुलस्
67. संस्कृत में उपसर्गों की संख्या कितनी मानी जाती है—
क. 20 ख. 22
ग. 24 घ. 25
68. अनुनासिक चिह्नयुक्त वर्ण है—

- क. क ख. कै
ग. कः घ. कं
69. क्रमशः अनुस्वार-विसर्ग हैं—
क. अं अः ख. अँ अं
ग. अः अँ घ. अं अँ
70. निम्न में से किस वर्ण 18 भेद नहीं हैं—
क. इ ख. उ
ग. ऋ घ. लृ
71. "कारक" की प्रातिपदिक संज्ञा होती है, क्योंकि—
क. यह तद्धितान्त है ख. यह कृदन्त है
ग. यह समासान्त है घ. यह सुबन्त है
72. प्रातिपदिक से किन प्रत्ययों का विधान होता है—
क. तिङ् ख. सुप्
ग. कृत् घ. तद्धित
73. निम्नलिखित में स्वरों का 'बाह्य प्रयत्न' कौन नहीं है—
क. उदात्त ख. अनुदात्त
ग. स्वरित घ. महाप्राण
74. संस्कृत में 'अन्तःस्थ वर्ण' कितने हैं—
क. 4 ख. 6
ग. 8 घ. 10
75. संस्कृत में 'ऊष्मवर्ण' कितने हैं—
क. 6 ख. 5
ग. 4 घ. 7
76. 'स्पर्श वर्ण' कितने हैं—
क. 33 ख. 25
ग. 40 घ. 39
77. इनमें से किस समूह की अल्पप्राण संज्ञा है—
क. क् द प ख. त् थ भ
ग. भ् ख क् घ. घ् झ द
78. इनमें से किस समूह की अल्पप्राण संज्ञा नहीं है—
क. च् द त् ख. द् ब ग्

✓ ग. ख थ फ घ. म न ज

79. इनमें से 'तालव्यवर्ण' कौन हैं—

✓ क. श ख. ब

ग. स घ. ह

80. इनमें से 'दन्त्यवर्ण' कौन हैं—

क. ष ✓ ख. स

ग. श घ. ह

81. इनमें से 'मूर्धन्यवर्ण' कौन हैं—

क. श ✓ ख. ष

ग. स घ. य

82. इनमें से किसका ह्रस्व नहीं होता—

क. आ ख. ई

✓ ग. ए घ. ऊ

83. 'ऐ' का ह्रस्व स्वर कौन हैं—

✓ क. ए ख. इ

ग. उ घ. इनमें से कोई नहीं

84. ए, ओ, ऐ, औ— क्या हैं—

क. केन्द्रीय स्वर ख. मूलस्वर

ग. अर्धस्वर ✓ घ. संयुक्तस्वर

85. 'अपृक्त' कौन हैं—

क. एकाल् प्रत्यय ख. तद्धितान्त

ग. कृदन्त घ. ईकारान्त शब्द

86. 'वृद्धिसंज्ञक वर्ण' कितने होते हैं—

क. 5 ✓ ख. 4

✓ ग. 3 घ. 5

87. 'गुणसंज्ञक वर्ण' कितने हैं—

क. 5 ख. 4

✓ ग. 3 ✓ घ. 2

88. 'पूर्व' शब्द के अन्त में अच् और पर शब्द के आदि में अच् हो, तो उस सन्धि को कहेंगे—

✓ क. अच् सन्धि ख. हल् सन्धि

ग. विसर्ग सन्धि घ. इनमें से कोई नहीं

89. "इको यणाचि" इससूत्र में कुल कितने पद हैं—

क. पंचपदम् ✓ ख. त्रिपदम्

ग. द्विपदम् घ. एक पदम्

90. संहिता के विषय में अच् पर रहते 'इक्' के स्थार पर होगा—

क. अण् ख. यर्

✓ ग. यण् घ. इण्

91. "इ उ ऋ लृ"— ये चार वर्ण किस प्रत्याहार के अन्तर्गत आते हैं—

क. अण् ख. इण्

✓ ग. इक् घ. इच्

92. 'यण्' प्रत्याहार के अन्तर्गत आते हैं—

क. ह य व र ख. य र ल श

ग. य व ल ह ✓ घ. य व र ल

93. "नद्यत्र" में सन्धि हैं—

क. गुण ✓ ख. यण्

ग. अयादि घ. प्रकृतिभाव

94. 'अस्त्यात्मा' का सन्धिविच्छेद होगा—

क. अस्ती + आत्मः ख. अस्ति + आत्मा

✓ ग. अस्ति + आत्मा घ. अस्ति + यात्मा

95. 'गुरु + आज्ञा' का सन्धियुक्त पद होगा—

क. गौराज्ञा ख. गुरुज्ञा

✓ ग. गुर्वाज्ञा घ. गुरोज्ञा

96. संहिता की स्थिति में "ए, ओ, ऐ, औ" के स्थान पर कमशः आदेश होते हैं—

क. अय् अय् आय् आत् ख. अय् अय् आय् आव्

✓ ग. अय् अय् आव् आय् घ. अय् अय् आय् आव्

97. 'नायकः' में सन्धि है—

✓ क. अयादि ख. गुण

ग. वृद्धि घ. पूर्वरूप

98. 'पावकः' में किस सूत्र से सन्धिकार्य हुआ—

क. पूर्वत्रासिद्धम् ✓ ख. एचोऽयवायावः

ग. पदान्तस्य घ. वान्ता यि प्रत्यये

99. 'हरये' का सन्धि विच्छेद होगा—

- क. हरि + ए ख. हरे + ऐ
ग. हरी + ये ☒ घ. हरे + ए

100. अयादि सन्धि का सूत्र है—

- क. एच ईग्नस्वादेशे ख. एको गोत्रे
☒ ग. एचोऽयवायावः घ. एत्येधत्युत्सु

101. 'गुणसन्धि' का सूत्र है—

- क. अदेङ् गुण ☒ ख. आदगुणः
ग. ओर्गुणः घ. गुणो यङ्लुकोः

102. 'वृद्धिसन्धि' का सूत्र है—

- ☒ क. वृद्धिरेचि ख. वृद्धिरादैच्
ग. वृद्धाच्छः घ. वृद्धिर्यस्याचामादिस्तद् वृद्धम्

103. 'दीर्घसन्धि' का सूत्र है—

- क. दीर्घ इणः किति ☒ ख. अकः सवर्णे दीर्घः
ग. दीर्घोऽकितः घ. दीर्घ च

104. 'पूर्वरूपसन्धि' का सूत्र है—

- क. एङि पररूपम् ख. पूर्वत्रासिद्धम्
☒ ग. एङः पदान्तादति घ. पूर्वपदात् संज्ञायामगः

105. 'पररूप' विधायक सूत्र है—

- क. परश्च ख. एङः पदान्तादति
ग. परेर्भूषः ☒ घ. एङि पररूपम्

106. 'यणसन्धि' का सूत्र है—

- क. इको झल् ☒ ख. इको यणचि
ग. इकोऽचि विभक्तौ घ. इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च

107. 'उपेन्द्र' और 'गङ्गोदकम्' किस सन्धि के उदाहरण हैं—

- क. वृद्धिसन्धि के ☒ ख. गुण सन्धि के
ग. अयादि सन्धि के घ. यण सन्धि के

108. "अक्ष + रुहिनी = अक्षोहिणी" प्रयोग में आदेश हुआ है—

- क. गुण ख. दीर्घ
☒ ग. वृद्धि घ. इनमें से कोई नहीं

109. पूर्वरूप का उदाहरण है—

- क. विष्णोऽव ख. कोऽस्ति
ग. नमोऽस्तु ☒ घ. उपर्युक्त सभी

110. दीर्घ सन्धि के उदाहरण हैं—

- क. दैत्यारिः ख. श्रीशः
ग. विष्णूदयः ☒ घ. सभी

111. "होत् + ऋकारः = होतृकारः" यहाँ सन्धि है—

- क. यण सन्धि ख. अयादि सन्धि
☒ ग. दीर्घ सन्धि घ. पूर्वरूप सन्धि

112. 'मनीषा' का सन्धि विच्छेद होगा—

- क. मन + ईषा ख. मनम् + ईषा
☒ ग. मनस + ईषा घ. मनी + ईषा

113. 'प्रौढः' का सन्धि विच्छेद होगा—

- क. प्र + ओढः ख. प्र + औढः
☒ ग. प्र + ऊढः घ. प्र + ऊहः

114. "कृष्ण + एक्रत्वम्"— यहाँ सन्धियुक्त पद होगा—

- क. कृष्णेकत्वम् ख. कृष्णोक्तत्वम्
☒ ग. कृष्णेकत्वम् घ. कृष्णोक्तत्वम्

115. 'देवैश्वर्यम्' का सन्धिविच्छेद होगा—

- क. देवे + ईश्वर्यम् ख. देवै + ऐश्वर्यम्
ग. देव + एश्वर्यम् ☒ घ. देव + ऐश्वर्यम्

116. "रामस् + चिनोति" का सन्धियुक्त पद होगा—

- क. रामाचिनोति ख. रामश्चिनोति
☒ ग. रामश्चिनोति घ. रामं चिनोति

117. "सच्चित्" का सन्धिविच्छेद होगा—

- ☒ क. सत् + चित् ख. सच् + चित्
ग. सम् + चित् घ. सञ् + चित्

118. शार्ङ्गिन् + जयः = शार्ङ्गिज्जयः में सन्धि है—

- क. ष्टुत्व सन्धि ख. जश्त्व सन्धि
ग. चर्त्त्व सन्धि ☒ घ. श्चुत्व सन्धि

119. ष्टुत्व विधायक विधिसूत्र है—

- क. तो: षि: ☒ ख. ष्टुना ष्टु: ☐
- ग. ष्णान्ता षट् ☐ घ. ष: प्रत्ययस्य ☐
120. 'रामष्टीकते' का अर्थ हैं—
 क. राम सोता है ☐ ख. राम देखता है ☐
☒ ग. राम जाता है ☐ घ. राम रुकता है ☐
121. "पेष् + ता"— यहाँ सन्धियुक्त रूप होगा—
 क. पेष्ता ☒ ख. पेष्टा ☐
 ग. पेष्ठा ☐ घ. पेस्टा ☐
122. "तत्+टीका = तट्टीका"— यहाँ सन्धि हैं—
 क. श्चुत्वसन्धि ☒ ख. ष्टुत्व सन्धि ☐
 ग. जश्त्व सन्धि ☐ घ. चर्त्व सन्धि ☐
123. "वाक् + ईशः"— इसका सन्धियुक्त रूप होगा—
 क. वाकीशः ☐ ख. वाग्दीशः ☐
☒ ग. वागीशः ☐ घ. वाक्ईशः ☐
124. "अजन्तः"— का सन्धिविच्छेद होगा—
☒ क. अच् + अन्तः ☐ ख. अज् + अन्तः ☐
 ग. अज + अन्तः ☐ घ. अच + अन्तः ☐
125. "जगत् + ईशः = जगदीशः"— में सन्धि हैं—
 क. छत्व सन्धि ☐ ख. चर्त्व सन्धि ☐
☒ ग. जश्त्व सन्धि ☐ घ. श्चुत्व सन्धि ☐
126. "चित् + मयम्"— इसका सन्धियुक्त रूप होगा—
 क. चिदमयम् ☐ ख. चित्मयम् ☐
☒ ग. चिन्मयम् ☐ घ. चिदामयम् ☐
127. "वाङ्मयम्" का सन्धिविच्छेद होगा—
☒ क. वाक् + मयम् ☐ ख. वाङ् + मयम् ☐
 ग. वाक + मयम् ☐ घ. वाङ्म + यम् ☐
128. "किञ्चित् + मात्रम्"— सन्धिविच्छेद रूप होगा—
 क. किञ्चित्मात्रम् ☒ ख. किञ्चिन्मात्रम् ☐
 ग. किञ्चिदमात्रम् ☐ घ. किञ्चिल्मात्रम् ☐
129. "तत् + लयः = तल्लयः"— यहाँ किस सूत्र से सन्धि का विधान किया गया है—
 क. खरि च ☐ ख. आदे: परस्य ☐
- ग. झरो झरि सवर्णे ☐ घ. तोलि ☒
130. "विद्वाल्लिखति"— इसका सन्धि विच्छेद होगा—
☒ क. विद्वान् + लिखति ☐ ख. विद्वाल् + लिखति ☐
 ग. विद्वान् + लिखति ☐ घ. विद्वान् + लिखति ☐
131. "वाक् + हरिः"— इसका सन्धियुक्त रूप होगा—
 क. वाग्हरिः ☐ ख. वाग्हरिः ☐
☒ ग. उपर्युक्त दोनों ☐ घ. केवल 'ख' ☐
132. "तत् + शिवः"— इसका सन्धियुक्त रूप होगा—
 क. तच्छिवः ☐ ख. तच्छिवः ☐
☒ ग. दोनों ☐ घ. कोई नहीं ☐
133. "तच्छ्लोकेन"— इसका सन्धि विच्छेद होगा—
 क. तच् + श्लोकेन ☒ ख. तत् + श्लोकेन ☐
 ग. तत् + श्लोकेन ☐ घ. तत्त्व + लोकेन ☐
134. "हरिम् + वन्दे"— इसका सन्धियुक्त रूप होगा—
 क. हरिः वन्दे ☐ ख. हरिन् वन्दे ☐
☒ ग. हरि वन्दे ☐ घ. उपर्युक्त सभी ☐
135. "मोऽनुस्वारः"— इस सूत्र के उदाहरण हैं—
 क. शत्रुं जयति ☐ ख. भारतं वन्दे ☐
 ग. मातरं पृच्छसि ☒ घ. उपर्युक्त सभी ☐
136. "उद् + कीर्णः"— का सन्धिरूप होगा—
 क. उदकीर्णः ☐ ख. उतकीर्णः ☐
 ग. उन्कीर्णः ☒ घ. उत्कीर्णः ☐
137. "पितृणाम्"— इसका सन्धिविच्छेद होगा—
 क. पितृ + णाम् ☐ ख. पितृ + णाम् ☐
☒ ग. पितृ + ऋणाम् ☐ घ. पितृ + णाम् ☐
138. "विष्णु + त्राता" का ससन्धि रूप होगा—
 क. विष्णुत्राता ☐ ख. विष्णुत्राता ☐
 ग. विष्णु:त्राता ☒ घ. विष्णुस्त्राता ☐
139. "विसर्जनीयस्य सः"— इस सूत्र के अनुसार 'खर्' प्रत्याहार पर होने पर विसर्ग के स्थान पर क्या आदेश होता है—
 क. रेफ ☒ ख. सकार ☐
 ग. उकार ☐ घ. इनमें से कोई नहीं ☐

140. रुत्वविधायक सूत्र हैं—
 क. स-सजुषो रुः ख. अतो रोरप्लुतादाप्लुते
 ग. रो रि ☒ घ. रो सुपि
141. 'अहन्' शब्द के अन्त्य 'नकार' के स्थान पर रेफ आदेश विधायक सूत्र हैं—
 क. रो रि ख. रोः सुपि
 ग. ☒ रोऽपि रोऽसुपि घ. रि च
142. रेफ के परे होने पर किस सूत्र से पूर्व रेफ का लोप होता है—
 क. रोः सुपि ख. रि च
 ग. रोऽसुपि ☒ घ. रो रि
143. शिवस् + वन्द्यः का सन्धि रूप होगा—
 क. शिव + वन्द्य ☒ ख. शिवो + वन्द्यः
 ग. शिवो + वद्यः घ. शिवु + वन्द्यः
144. "रो रि" सूत्र से रेफ का लोप तथा "द्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः" सूत्र से अण् को दीर्घ हुआ है—
 क. पुना रमते ख. हरी रम्यः
 ग. शम्भू राजते ☒ घ. सभी में
145. 'पुना रमते' का सन्धि विच्छेद होगा—
 क. पुनः + रमते ख. पुनो + रमते
 ग. पुन + आरमते ☒ घ. पुनर + रमते
146. मनस् + रथः = मनोरथः — यहाँ सन्धि हैं—
 क. अच् सन्धि ख. हल् सन्धि
☒ ग. विसर्ग सन्धि घ. 'अ' और 'इ' दोनों
147. 'हरिर् + रम्यः' का सन्धियुक्त रूप होगा—
 क. हरिर् रम्यः ☒ ख. हरी रम्यः
 ग. हरिंरम्यः घ. हरिरम्यः
148. 'शम्भुर + राजते' का सन्धिरूप होगा—
☒ क. शम्भू राजते ख. शम्भु + राजते
 ग. शम्भुसराजते घ. शम्भुरु राजते
149. "रो रि" और "द्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः" सूत्र का उदाहरण है—
 क. कवी रचयति ख. शिशू रोदिति
- ग. गुरु रुष्टः ☒ घ. उपर्युक्त सभी
150. "रामः + टडकारयति"— इसका ससन्धिरूप होगा—
 क. रामः टडकारयति ☒ ख. रामष्टडकारयति
 ग. रामटडकारयति घ. रामोटडकारयति
151. 'हरिश्चलति' का सन्धि विच्छेद होगा—
☒ क. हरिः + चलति ख. हरि + चलति
 ग. हरी + चलति घ. हरै + चलति
152. 'नमः + करोति'— इसका ससन्धिरूप होगा—
 क. नमस्करोति ख. नमः करोति
☒ ग. उपर्युक्त दोनों घ. केवल क सही
153. 'पुरः + करोति'— इसका सन्धियुक्त रूप होगा—
☒ क. पुरस्करोति ख. पुरःकरोति
 ग. पुरोकरोति घ. पुरकरोति
154. "अहर्गणः"— इसका सन्धि विच्छेद होगा—
☒ क. अहन् + गणः ख. अहम् + गणः
 ग. अहर + गणः घ. अहो + गणः
155. दीर्घसन्धि का उदाहरण है—
 क. प्रत्येकम् ख. एकैकः
 ग. उपेन्द्रः ☒ घ. भानूदयः
156. 'गुणसन्धि' का उदाहरण है—
 क. दयार्थी ख. यथैव
☒ ग. जलोर्मिः घ. अद्यैव
157. अयादिसन्धि का उदाहरण है—
 क. भानुरुदेति ख. सूर्योदयः
☒ ग. भवति घ. यद्यपि
159. व्यंजनसन्धि का उदाहरण है—
☒ क. बागीशः ख. देवैश्वर्यम्
 ग. नायकः घ. एकैकम्
160. विसर्गसन्धि का उदाहरण है—
 क. विष्णोऽव ☒ ख. बालो हसति
 ग. वाङ्महिमा घ. देवर्णम्

161. पररूपसन्धि का उदाहरण है—

- ✓ क. उपोषति ख. कोडपि
ग. गङ्गौषा घ. ममैव

162. "चमू + उदधिः = चमूदधिः" यहाँ सन्धि है—

- क. गुणसन्धिः ख. अयादिसन्धिः
ग. पररूप सन्धिः ✓ घ. दीर्घसन्धिः

163. "तव + एव = तवैव" में कौन सन्धि है—

- क. गुणसन्धिः ✓ ख. वृद्धिसन्धिः
ग. यणसन्धिः घ. अयादिसन्धिः

164. "पश्याम्यहम्"— इसका सन्धि विच्छेद होगा—

- क. पश्याम् + अहम् ✓ ख. पश्यामि + अहम्
ग. पश्याम् + अहम् घ. पश्य + अहम्

165. "ह्यासनम्"— इस यणसन्धि का विच्छेद होगा—

- क. ह्य + आसनम् ख. ह्य + आसनम्
✓ ग. हि + आसनम् घ. हि + आसन

166. "खल्वेष"— इस यणसन्धि का विच्छेद होगा—

- क. खल्व् + एषः ✓ ख. खलु + ऐषः
ग. खल + एषः घ. खलु + एषः

167. "मध्वास्वादनम्"— इस यणसन्धि का विच्छेद होगा—

- क. मधु + वा + स्वादनम्
ख. मध्व + स्वादनम्
✓ ग. मधु + आस्वादनम्
घ. मध्वा + स्वादनम्

168. "दिक् + गजः"— इसका हल् सन्धि युक्त रूप होगा—

- क. दिक्गजः ✓ ख. दिग्गजः
ग. दिघ्गजः घ. दिङ्गजः

169. "मत्यायाश"— इस अयादिसन्धि का विच्छेद करें—

- क. मत्याय + आशा ✓ ख. मत्यै + आशा
ग. मत्यो + याशा घ. मत्ये + आशा

170. "विद्वज्जनः"— इसका सन्धिविच्छेद होगा—

- क. विद्वज् + जनः ख. विद्वस् + जनः

✓ ग. विद्वद् + जनः घ. विद्वान् + जनः

171. "हरेश्शयनम्"—का विच्छेद होगा—

- क. हरेश् + शयनम् ख. हरेश् + शयनम्
✓ ग. हरेः + शयनम् घ. हरेः + शयनम्

172. "गोपी + उवाच"— इसका सन्धियुक्त रूप होगा—

- क. गोपीवाच ख. गोपेवाच
ग. गोपीयवास ✓ घ. गोप्पुवाच

173. "अश्वः + तिष्ठति"— इसका सन्धि रूप होगा—

- क. अश्वो तिष्ठति ✓ ख. अश्वस्तिष्ठति
ग. अश्व तिष्ठति घ. अश्वः तिष्ठति

174. "रामम् + नमामि"— इसका ससन्धि रूप होगा—

- क. रामम् नमामि ✓ ख. रामं नमामि
ग. रामाय नमामि घ. रामग्नमामि

175. "तव + लृकारः"— इसका गुण सन्धिरूप होगा—

- क. तवलृकारः ख. तवोलृकारः
✓ ग. तवलृकारः घ. तवालृकारः

176. सु + उक्तिः— यहाँ दीर्घसन्धियुक्त पद होगा—

- क. सुक्तिः ✓ ख. सूक्तिः
ग. स्वक्तिः घ. स्वीक्तिः

177. "गायकः"— इस अयादि सन्धि का विच्छेद होगा—

- क. गो + अकः ख. गौ + अकः
✓ ग. गै + अकः घ. गे + अकः

178. "वर्षर्तुः"— इस गुणसन्धि का सही विच्छेद होगा—

- ✓ क. वर्षा + ऋतुः ख. वर्षम् + ऋतु
ग. वर्ष + अर्तुः घ. वर्षु + ऋतु

179. "द्वावपि"— इस अयादिसन्धि का समीचीन सन्धिविच्छेद किम्?

- क. द्वा + अपि ख. द्वो + अपि
ग. द्वाव् + अपि ✓ घ. द्वौ + अपि

180. "नमस्ते"— इसका सन्धि विच्छेद होगा—

- क. नम + अस्ते ✓ ख. नमः + ते
ग. नम् + ते घ. नम + नस्ते

सभी Subject व Exam से संबंधित PDF यहां से Download करें

- [RRB 2019 PDF](#)
- [Nitin Gupta Notes PDF](#)
- [General Knowledge PDF](#)
- [Current Affairs PDF](#)
- [Child Development and Pedagogy PDF](#)
- [History PDF](#)
- [Geography PDF](#)
- [Polity PDF](#)
- [Economics PDF](#)
- [Computer PDF](#)
- [General Science PDF](#)
- [Environment PDF](#)
- [General Hindi PDF](#)
- [General English PDF](#)
- [Maths PDF](#)
- [Reasoning PDF](#)
- [Sanskrit PDF](#)
- [SSC PDF](#)
- [MPPSC PDF](#)
- [MP GK PDF](#)
- [UP GK PDF](#)
- [Bihar GK](#)

[किसी भी सहायता के लिये फेसबुक पर संपर्क करें – नितिन गुप्ता](#)